RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः280, सोमवार, 20 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

देवघाट पर मतदाता जागरूकता के लिए दीपोत्सव आयोजित 03

मतदान दल के पदाधिकारियों को 30 अक्टूबर से 05 नवंबर तक द्वितीय... 04

मौनी रॉय का अनस्टॉपेबल 2025 जारी एक्ट्रेस ने अपनी नई ओटीटी रिलीज की... 07

शुभकामनाएं

दीप पर्व दीपावली पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं प्रदेश व देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामना एवं बधाई।

सूचना

दीप पर्व दीपावली के अवसर पर कल दिनांक 20 अक्टूबर को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक दिनांक 22 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित होगा।

– संपादक

अयोध्या में 26 लाख 17 हजार दीपक जलाने का रिकॉर्ड

राम की पैड़ी पर लेजर शो में दिखे रामायण के प्रसंग, 2128 अर्चकों ने की महाआरती

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में 9वां दीपोत्सव मनाया जा रहा है। सीएम योगी ने राम मंदिर में दीप जलाए। इसके बाद दीपोत्सव की शुरुआत की। इसी के साथ राम की पैड़ी पर दीपक जलाए गए। इस दौरान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अयोध्या के नाम 2 रिकॉर्ड बने।

पहला- 26 लाख 17 हजार 215 दीपक एक साथ जलाए गए। दूसरा- सरयू तट पर 2128 अर्चक सरयू की महाआरती की गई।

ड्रोन से दीपों की काउंटिंग हुई, जबकि राम की पैड़ी पर लेजर लाइट शो किया गया। 1100 ड्रोन से विशेष शो किया गया।

योगी बोले-भारत एक रहेगा तो श्रेष्ठ रहेगा- सीएम योगी ने कहा- आज अयोध्या में आपकी आस्था भव्य राम मंदिर के रूप में हैं। ये नए भारत का प्रतीक है। एक भारत और श्रेष्ठ भारत का प्रतीक है। भारत एक रहेगा तो श्रेष्ठ रहेगा। भारत एक रहेगा तो कोई आस्था को अपमानित नहीं कर पाएगा। भारत एक रहेगा तो दीपोत्सव का ये

आनंद हर पर्व और त्योहार में इसी उत्साह और उमंग के साथ आयोजित करने का अवसर प्राप्त होता रहेगा।

योगी बोले- रामद्रोहियों को दीपोत्सव कैसे अच्छा लग सकता है- सीएम योगी ने कहा- दीपोत्सव के इस कार्यक्रम को यूपी की पहचान बनाने के लिए प्रदेश के नौजवानों के लिए पहचान का संकट न खड़ा और कोई भी उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ न कर सके। इसलिए डबल इंजन की सरकार बनने के बाद से इस तरह के प्रयास प्रारंभ किए हैं।उन्होंने कहा- जो लोग आपकी आस्था का अपमान करते थे। जिन लोगों ने अयोध्या की गलियों को राम भक्तों और कार सेवकों के शरीर को छलनी करके लहूलुहान किया था। आज उनको अयोध्या के दीपोत्सव का कार्यक्रम भी अच्छा नहीं लग रहा है। राम-द्रोहियों को दीपोत्सव कैसे अच्छा लग सकता है। जो लोग प्रदेश की सत्ता में रहते हुए दीपोत्सव का, रंगोत्सव का या देव दीपावली के कार्यक्रम से कोसों दूरी बनाए रखते थे लेकिन प्रदेश के खजाने को सैफई महोत्सव और कब्रिस्तानों की दीवारों पर खर्च करते थे। आज उनको 26 लाख 17 हजार से अधिक दीप अयोध्या धाम में प्रज्ज्वलित हुए हैं। अयोध्या के ही कुम्हार और प्रजापति जाति से जुड़े लोगों के परिश्रम का प्रतिफल है।

देश में अब अंतिम दौर में पहुंचा 'रेडकॉरिडोर'

● 11 जिलों तक सिमटा माओवाद,अब सफाए की ओर बढ़े कदम

मोदी ने कहा-निर्णायक दौर में पहुंची नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दशकों से जारी माओवादी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच गई है। गृह मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 2014 में माओवादी आतंकवाद प्रभावित 182 जिलों की तुलना में अक्टूबर 2025 में केवल 11 जिलों तक इनका आतंक रह गया है। मंत्रालय ने उम्मीद जताई कि 31 मार्च 2026 तक कुख्यात रेड कॉरिडोर भी इतिहास की बात हो जाएगी। बीते पांच दशक से नक्सलवाद की मार झेल रहे तमाम जिलों और गांवों में अब पीएम मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व विकास और प्रगति देखी जा रही है। इन जिलों को हिंसा नहीं अब विकास के जरिये परिभाषित किया जा रहा है। गृह मंत्रालय के मुताबिक बीते 75 घंटों में 303 नक्सल कैडर ने आत्मसमर्पण किया है। हाल के वर्षों में ये काफी बड़ी संख्या है। बता दें कि शुक्रवार को पीएम नरेन्द्र मोदी ने भी एक कार्यक्रम में कहा था कि वह दिन दूर नहीं जब देश पूरी तरह से नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और इस बार इन इलाकों में माओवादी आतंकवाद से आजादी मिलने की खुशी में असल मायने में दिवाली का जश्न होगा। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा था कि केंद्र में कांग्रेस शासन के दौरान अर्बन नक्सलियों का एक पूरा इकोसिस्टम काम करता था। ये अर्बन नक्सल तब और अब भी इस कदर हावी हैं कि वे माओवादी आतंकवाद की घटनाओं को छिपाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाते हैं ताकि इनसे जुड़ी खबरें देशवासियों के सामने न आने पाएं।

माओवादी आतंकवाद ने लोगों को जख्म दिए

यहां तक कि उन्होंने प्रेस कान्फ्रेंस भी की, लेकिन आप में से शायद ही किसी ने इनकी खबरें देखी या सुनी होंगी। उन्होंने कहा कि जो लोग माओवादी आतंकवाद के ठेकेदार बनते हैं, उन्होंने इन पीड़ितों की कहानियां भारत के लोगों तक नहीं पहुंचने दीं। कांग्रेस के इकोसिस्टम ने ये सुनिश्चित किया कि इस मुद्दे पर कभी बात न होने पाए। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसा भी दौर था जब देश का लगभग हर राज्य नक्सल हिंसा और माओवादी आतंकवाद से प्रभावित था। उन्होंने कहा कि पूरे देश में संविधान लागू था, लेकिन रेड कारिडोर में ये पूरी तरह से गायब था। और मैं पूरी जिम्मेदारी से कहता हूं कि जो लोग संविधान की किताब को अपने सिर पर लेकर नाचते हैं, वे आज भी दिन-रात इन माओवादी आतंकवादियों के हितों की रक्षा में लगे रहते हैं, जिनका संविधान में विश्वास ही नहीं है।

शाम ढलते ही घर से बाहर कदम रखना खतरनाक होता था

पीएम ने कहा कि सरकारें चुनी जाती थीं, लेकिन रेड कॉरिडोर में इनका कोई प्रभाव या वैधता नहीं होती थी। शाम ढलते ही घर से बाहर कदम रखना खतरनाक होता था और जनता की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को भी सुरक्षा घेरे में चलना पड़ता था। बीते 50-55 साल में हजारों लोगों को माओवादी आतंकवाद की वजह से जान गंवानी पड़ी।

गरीब विचाराधीन कैदियों की जमानत देगी सरकार

● सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, अब सरकार भरेगी राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अनूठी SOP तैयार की है, जिसमें निर्देश दिया गया कि अगर कोई गरीब व्यक्ति जमानत के लिए आर्थिक गारंटी देने में असमर्थ है, तो सरकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) के जरिए इसे मुहैया करेगी। इस तरह उसकी रिहाई सुनिश्चित की जाएगी। अदालत ने यह एसओपी सीनियर वकील सिद्धार्थ लूथरा और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के सुझावों के बाद तैयार की। यह मामला एससी ने स्वत: संज्ञान में लिया, जब उसे पता चला कि हजारों विचाराधीन कैदी जमानत मिलने के बावजूद केवल इसलिए जेल में बंद हैं क्योंकि वे जमानत बांड या गारंटर प्रदान

नहीं कर पा रहे हैं। जज एमएम सुंदरेश और एससी शर्मा की पीठ ने कहा कि DLSA एक लाख रुपये तक की जमानत राशि भर सकता है। अगर ट्रायल कोर्ट ने इससे अधिक राशि तय की है, तो डीएलएसए इसे कम करने के लिए आवेदन दायर करेगा। पीठ ने कहा कि अगर जमानत मिलने के 7 दिनों के भीतर विचाराधीन कैदी को रिहा नहीं किया जाता, तो जेल प्रशासन DLSA सचिव को सूचित करेगा। सचिव तुरंत एक व्यक्ति को यह जांचने के लिए नियुक्त करेगा कि क्या कैदी के पास अपने बचत खाते में धनराशि है। यदि आरोपी के पास पैसे नहीं हैं, तो जिला स्तर की सशक्त समिति DLSA की सिफारिश पर 5 दिनों के भीतर जमानत के लिए धनराशि जारी करने का निर्देश देगी।

दिवाली से पहले चंद्रयान-2 ने भी भेजी खुशखबरी

सूर्य और चांद के 'रिश्ते' पर इसरो ने दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली के शुभ मौके से पहले चंद्रयान ने भी एक खुशखबरी भेजी है। इसरो के मुताबिक चंद्रयान-2 मिशन ने अपने वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से पहली बार यह पता लगाया कि सूरज से निकलने वाली कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) का चंद्रमा पर क्या असर पड़ता है। सूर्य और चंद्रमा के बीच रिश्ते को लेकर यह बड़ी खोज मानी जा रही है। इसरो ने कहा, इस जानकारी से चंद्रमा के बाह्यमंडल, चंद्रमा के बहुत पतले वायुमंडल और उसकी सतह पर अंतरिक्ष मौसम के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी। श्रीहरिकोटा से 22 जुलाई 2019 को जीएसएलवी-एमके3-एम1 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किए गए चंद्रयान-2 में आठ वैज्ञानिक उपकरण थे और 20 अगस्त 2019 को चंद्रयान-2 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा। इसरो की एक विज्ञप्ति के अनुसार, चंद्रयान-2 पर लगे उपकरणों में से एक– 'चंद्रज एटमॉस्फेरिक कॉम्पोजिशनल एक्सप्लोरर-2' (सीएचएसीई-2) ने सूरज से निकलने वाली कोरोनल मास इजेक्शन का चंद्रमा के बाहरी वायुमंडल पर पड़ने वाला असर रिकॉर्ड किया है। सीएचएसीई-2 उपकरण का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा के तटस्थ बाहरी वायुमंडल (न्यूट्रल एक्सोस्फीयर) की संरचना, उसका विस्तार और उसमें होने वाले बदलावों का अध्ययन करना है। कोरोनल मास इजेक्शन सौरमंडल में वाले वाले शक्तिशाली विस्फोट होते हैं। इस दौरान सूर्य हीलियम और हाइड्रोजन आयन छोड़ता है। चांद पर इसका काफी असह होता है। इसका कारण है कि चांद पर वायुमंडल नहीं है और यहां कोई बड़ा चुंबकीय क्षेत्र भी नहीं है।

सूर्य की किरणों और सौर हवा से बनता है एक्सोस्फीयर

उल्कापिंडों के टकराने या फिर सूर्य की किरणों और सौर हवा से यह एक्सोस्फीयर बनता है। इसरो के मुताबिक, इस घटना के दौरान न्यूट्रल एटम और मॉलिक्यूल की कुल संख्या (नंबर डेंसिटी) एक ऑर्डर ऑफ मैग्नीट्यूड से ज्यादा बढ़ गई। इससे लंबे समय से चले आ रहे थ्योरेटिकल मॉडल्स की पुष्टि हुई, लेकिन इसे पहले कभी सीधे तौर पर नहीं देखा गया था। स्पेस एजेंसी ने अपने बयान में कहा, 'यह बढ़ोतरी पहले के थ्योरेटिकल मॉडल्स जैसी ही है, जिन्होंने ऐसे असर का अनुमान लगाया था, लेकिन चंद्रयान-2 पर मौजूद CHACE-2 ने इसे पहली बार देखा है। सूर्य हमारा सबसे नजदीकी तारा है। ये आग का गोला है जो लाखों डिग्री सेल्सियस गर्म है और पृथ्वी के आकार से लाखों गुना बड़ा है। सूर्य के सतह पर हर समय हजारों-लाखों विस्फोट होते रहते हैं। इन विस्फोटों की वजह वहां मौजूद चार्ज प्लाज्मा, प्रचंड तापमान और मैग्नेटिक फील्ड है। इसकी वजह से भयानक तूफान उठता है और अंतरिक्ष में बहुत सा चार्ज प्लाज्मा फैल जाता है। इसे ही कोरोनल मास इजेक्शन कहते हैं। दरअसल, ऑब्जर्वेशन का मौका बहुत ही कम मिलता है, जो पिछले साल 10 मई को उस वक्त शुरू हुआ था जब सूरज से चांद की ओर सीएमई की एक श्रंखला फेंकी गई थी। इस शक्तिशाली सोलर एक्टिविटी की वजह से चांद की सतह पर मौजूद एटम टूटकर चांद के एक्सोस्फीयर में चले गए और इससे कुछ समय के लिए उसकी डेंसिटी और प्रेशर बढ़ गया।

न एनडीए में जगह, न महागठबंधन ने डाली घास

बिहार में पशुपति नहीं बन पाए 'पारस', रण में पड़े अकेले

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। पारस ने स्पष्ट किया कि विपक्षी महागठबंधन में शामिल होने की उनकी कोशिश सफल नहीं हो सकी। जिसके बाद उन्होंने मजबूरी में यह फैसला लिया है। आरएलजेपी के 33 उम्मीदवारों की सूची की घोषणा करते हुए पशुपति कुमार पारस कहा कि मैंने इस बार महागठबंधन के साथ गठबंधन करने के लिए काफी कोशिश की, लेकिन यह कोशिश नाकाम साबित हुई। 1977 से 2010 के बीच सात बार अलौली (खगड़िया) सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके पारस को उम्मीद थी कि राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन से उन्हें कम से कम तीन सीटें मिलेंगी, लेकिन महागठबंधन उनकी राजनीतिक स्थिति से संतुष्ट नहीं थी। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक रामविलास पासवान के छोटे भाई और पूर्व केंद्रीय मंत्री पारस ने 2024 के लोकसभा चुनाव के कुछ ही महीनों बाद भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए से नाता तोड़ लिया था। 2024 के लोकसभा चुनाव में पारस की पार्टी को बिहार में एक भी टिकट नहीं दिया गया था। पारस, जो कम से कम अपनी मौजूदा हाजीपुर सीट पर चुनाव लड़ने पर अड़े थे, उनको चुनाव न लड़ने और एनडीए का समर्थन करने के लिए कहा गया था।

पाकिस्तानी सेना को भारत के बॉर्डर तक खदेड़ देंगे

● तालिबान ने दे दी खुली चेतावनी, चरम पर पहुंचा तनाव

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर हैं। पाकिस्तान ने हाल ही में अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक करके सीजफायर का उल्लंघन किया, जिससे तालिबान को भारत के बॉर्डर तक खदेड़ दिया जाएगा। पाकिस्तानी सेना को चेतावनी देते ओमारी ने कहा, अगर अफगानिस्तान और लोगों ने धार्मिक आदेश से हमलावर घोषित कर दिया तो मैं कसम खाता हूं कि तुम्हें

भड़क गया। इस हमले में दस लोगों की जान चली गई, जिसमें उभरते हुए क्रिकेटर्स भी शामिल थे। पाकिस्तान के इस हमले के बाद तालिबान ने उसे सख्त चेतावनी दी है। शहबाज शरीफ के देश को धमकी देते हुए अफगानिस्तान की इंटीरियर मिनिस्ट्री में डिप्टी मंत्री और तालिबान नेता मौलवी मुहम्मद नबी ओमारी ने कहा कि हमले की कोशिश हुई तो पाकिस्तानी सैनिकों भारतीय बॉर्डर तक भी सुरक्षा नहीं मिलेगी। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ की मुलाकात पर भी उन्होंने निशाना साधा। तालिबानी मंत्री ने कहा कि पाकिस्तानी सेना सबकुछ दूसरों की इच्छा के हिसाब से ही करती है और हाल ही में सबने शहबाज शरीफ को ट्रंप की चापलूसी करते हुए भी देखा ही होगा।

सात नैनोमीटर कंप्यूटर चिप 2028 तक होगा तैयार

● यह भारत का पहला स्वदेशी चिप होगा, केंद्र ने दी हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का पहला स्वदेशी डिजाइन किया गया सात नैनोमीटर कंप्यूटर प्रोसेसर 'शक्ति' 2028 तक तैयार होने की उम्मीद है। इसे भविष्य में स्थानीय चिप प्लांट में उत्पादित किया जा सकेगा। आइआईटी मद्रास की टीम ने शनिवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को यह जानकारी दी। मंत्री के इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो से पता चलता है कि उन्होंने टीम को चिपसेट के स्वदेशी उत्पादन की तैयारी के लिए हरी झंडी दे दी है, जिसका उपयोग आइटी सर्वर में किया जा सकता है।

सीजफायर के बीच इजरायल ने गाजा पर बोला हमला

अमेरिकी रिपोर्ट के बाद ऐक्शन में आए बेंजामिन नेतन्याहू

तेलअवीव (एजेंसी)। अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्धविराम के बीच बढ़ते तनाव के दौरान इजरायल ने गाजा पर हमला बोल दिया है। यह कार्रवाई अमेरिकी आरोपों के ठीक बाद हुई, जिसमें कहा गया कि हमास ने गाजा के विवादित इलाकों में नागरिकों पर हमले की साजिश रच रहा था, जो युद्धविराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन हो सकता है। इजरायली सेना ने इस हमले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। कुछ अपुष्ट खबरों के मुताबिक, इजरायल ने राफा क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं। रविवार को रॉयटर्स और अन्य प्रमुख समाचार वेबसाइटों ने इजरायली चैनल 12 के हवाले से खबर दी है। यह घटना फिलिस्तीनी उग्रवादी संगठन हमास के उस खंडन के तुरंत बाद सामने आई, जिसमें अमेरिका के दावों को खारिज किया गया था। अमेरिका ने 'विश्वसनीय खुफिया रिपोर्टों' का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि हमास गाजा के निवासियों पर 'तत्काल हमला' करने और उसके बाद संघर्षविराम तोड़ने की योजना बना रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को सख्त चेतावनी जारी की कि गाजा में युद्ध तब तक नहीं थमेगा जब तक हमास को पूरी तरह हथियारबंद नहीं किया जाता और फिलिस्तीनी क्षेत्रों को विसैन्यीकृत नहीं कर दिया जाता।

यह बयान ऐसे समय आया जब हमास की सैन्य शाखा इज्जेदीन अल-कस्साम ब्रिगेड ने अमेरिका-मध्यस्थ युद्धविराम समझौते के तहत शनिवार रात दो और बंधकों के शव सौंप दिए।

संक्षिप्त समाचार

बाइक अज्ञात वाहन से टकराई, 2 लोग घायल, बख्तियारपुर जा रहे थे दोनों युवक

पटना। बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना क्षेत्र में रविवार सुबह सड़क दुर्घटना में बाइक सवार 2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पर फुलेलपुर गांव के पास हुई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अथमलगोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें पटना के एनएमसीएच रेफर कर दिया। घायलों में एक की पहचान अथमलगोला प्रखंड के बुढनपुर गांव निवासी गौरव कुमार के रूप में हुई है।

दूसरा युवक भी उसी गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रविवार सुबह लगभग 5 बजे दोनों युवक बाइक से बख्तियारपुर की ओर जा रहे थे। फुलेलपुर गांव के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर एक अज्ञात वाहन से टकरा गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। फुलेलपुर निवासी राजा सिंह ने बताया कि उन्हें फोरलेन पर दुकानदारों ने दुर्घटना की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवकों को तुरंत पीएचसी अथमलगोला पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। अथमलगोला थाना अध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल दोनों युवकों की हालत नाजुक बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि फोरलेन पर सुबह तेज रफ्तार भारी वाहनों के कारण ऐसी दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं।

45 लाख का स्मैक-हेरोइन बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार, संपत्ति होगी जब्त

पटना। पटना पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। यहां 45 लाख रुपए का स्मैक और हेरोइन बरामद किया गया है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की संपत्ति भी जब्त की जाएगी। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में नशीले पदार्थों की बिक्री और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह सफलता मिली। बेऊर थाना क्षेत्र के साईंचक स्थित एक मकान पर छापेमारी कर पुलिस ने संतोष प्रसाद और अमन कुमार को गिरफ्तार किया। पटना के वरीय आरक्षी अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक टीम गठित की गई थी। छापेमारी के दौरान आरोपियों के घर से 250 ग्राम कट सॉलिड पत्थर जैसा पदार्थ, 240 ग्राम डस्ट जैसा पदार्थ, 100 ग्राम शुद्ध गोल्ड स्मैक और 240 ग्राम कट पॉलिथीन सहित कुल 870 ग्राम स्मैक बरामद किया गया। इसके अलावा 80,000 रुपए नकद भी मिले। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 45 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, बरामद सामग्री में हेरोइन और अन्य मिलावटी पदार्थ और केमिकल शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्त नशीले पदार्थों को लाकर उनमें मिलावट (परिष्करण) कर बेचते थे। पुलिस अब इस सप्लाई चेन में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच कर रही है। यह नशीले पदार्थों का कारोबार कंकड़बाग और पटना सिटी इलाकों में तेजी से फैल रहा था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार नशे के कारोबारियों की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने टॉप-20 वांछित अपराधियों को धर दबोचा, जंदाहा, जुड़ावनपुर थाना और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई

हाजीपुर। वैशाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिले के टॉप-20 वांछित अपराधियों में शामिल सर्वजीत उर्फ सन्नी कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई जंदाहा थाना, जुड़ावनपुर थाना और STF की संयुक्त टीम ने की। महुआ DSP ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी।गिरफ्तार अपराधी सर्वजीत उर्फ सन्नी कुमार सिंह स्वर्गीय रविंद्र सिंह का पुत्र है। वह वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना अंतर्गत राघोपुर पूर्वी का निवासी है। उसे 17/18 अक्टूबर 2025 की रात को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, वह लंबे समय से फरार चल रहा था।पुलिस ने बताया कि सर्वजीत उर्फ सन्नी वैशाली जिले के टॉप-20 अपराधियों की सूची में शामिल है। उसके खिलाफ वैशाली और पटना जिलों में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह जंदाहा थाना कांड संख्या 325/22 और 239/22 में वांछित था। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से वैशाली पुलिस लगातार सघन वाहन जांच और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चला रही है। यह गिरफ्तारी इसी अभियान का हिस्सा है।गिरफ्तार अपराधी सर्वजीत उर्फ सन्नी का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। उसके खिलाफ दीदारगंज (पटना) थाना कांड संख्या 197/19 (धारा 399/402/414 भादवि और आर्म्स एक्ट), दनियावां (पटना) थाना कांड संख्या 33/19 (धारा 392 भादवि), बख्तियारपुर (पटना) थाना कांड संख्या 7169/19 (धारा 414 भादवि और आर्म्स एक्ट) और जुड़ावनपुर थाना कांड संख्या 39/19 (धारा 341/323/324/307/34 भादवि और आर्म्स एक्ट) जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

फंदे से लटकी मिली महिला, 6 महीने पहले हुई थी शादी, पिता बोले- ससुराल वालों ने दहेज के लिए मार डाला

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में संदिग्ध हालत में एक नवविवाहिता की मौत हो गई। शादी इसी साल हुई थी। परिजनों ने दहेज के लिए ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान मुशहरी थाना के बंकूल छपरा निवासी खलील अंसारी की बेटी नेहा खातून (19) के रूप में हुई है। नेहा की शादी 5 अप्रैल 2025 को केरमा गांव निवासी यूसुफ अंसारी के बेटे मोहम्मद यूनुस से हुई थी। पिता खलील अंसारी ने बताया कि शादी के कुछ दिनों के बाद से ही ससुराल वाले दहेज के लिए बेटी को परेशान करने लगे। उसके साथ मारपीट करते थे। उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। दो-तीन दिनों से पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार की सुबह ससुराल पक्ष की ओर से कॉल करके बताया गया कि नेहा ने आत्महत्या कर ली है। जब मौके पर पहुंचा तो बेटी की मौत हो चुकी थी। शरीर पर चोट और पिटाई के निशान थे। उसकी हत्या कर ससुरालवालों ने शव को पंखे से लटका दिया। हत्या को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। खलील अंसारी ने आगे कहा कि जब गांव पहुंचा तो लड़का पक्ष के लोगों ने पुलिस की मौजूदगी में ही मामले को दबाने का प्रयास किया। समझौते और मैनेज करने का दबाव बनाया गया। मैंने इसका विरोध किया और अपने गांव के लोगों को फोन कर बुलाया। इसके बाद मामला बिगड़ता देख पुलिस हरकत में आई। कुढ़नी डीएसपी को सूचना दी गई। मेरी बेटी को योजनाबद्ध तरीके से मारा गया है। उसे पहले पीटा गया, फिर गला दबाकर मारने के बाद शव को पंखे से लटका दिया गया। हम चाहते हैं कि पुलिस निष्पक्ष जांच करे और दोषियों को सख्त सजा मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी एसी ज्ञानी खुद टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ FSL टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। टीम ने कमरे, पंखे और अन्य वस्तुओं की जांच की। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामला अत्यंत संवेदनशील है। एफएसएल और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा होगा। कुढ़नी थानाध्यक्ष पुनीत कुमार ने बताया कि 'मौत की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंच गई। परिजनों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। साक्ष्य के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।'

पटना में 15000 सुई, 76000 प्रतिबंधित नशीली दवा बरामद

पुलिस ने 4 गोदाम खोजे, 5 लोग गिरफ्तार, पूछताछ में पूरे नेटवर्क का खुलासा

एजेंसी, पटना

नशे के खिलाफ पटना पुलिस की ओर से रामकृष्णा नगर और कंकड़बाग के इलाके में कार्रवाई की गई है। प्रतिबंधित कफ सिरप और प्रतिबंध दवा, नशीली सुई के गोदाम पकड़े गए हैं, जिसमें भारी मात्रा में स्टोर कर के रखे गए थे। पटना SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि कंकड़बाग थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गणेश नाम का शख्स कंकड़बाग झोपड़पट्टी में नशे का कारोबार करता है। इसी सूचना के आधार पर उसे पकड़ा गया। उसके ठिकाने की तलाशी ली गई तो 100 नशीली सुई मिली। गणेश ने पूछताछ में बताया कि पटना सिटी का रहने वाला ब्रजेश उसे नशीली सुई और प्रतिबंधित दवा सप्लाई करता है। इसके बाद ब्रजेश के ठिकाने पर छापेमारी की गई। वहां से 700 सुई, 438000 रुपए मिले। उससे जब पूछताछ की गई तो उसने बताया कि इस कारोबार में नालंदा ओंगारी के रहने वाला राहुल भी शामिल है। जो फिलहाल पीसी कॉलोनी में रहता है। जब इसकी निशानदेही पर कार्रवाई की गई तो राहुल के दो गोदाम मिले, एक पटना पीसी कॉलोनी और दूसरा बजरंगपुरी में। पुलिस ने जब गोदाम की तलाशी ली तो उसमें से 15000 सुई, 76000 प्रतिबंधित नशीली दवा बरामद की गई। इस मामले में अभी तक 7 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। इसके नेटवर्क के बारे में पता लगाया जा रहा है। दूसरे लोगों की भी संलिप्तता सामने आई है।

रामकृष्णा नगर इलाके से प्रतिबंधित कफ सिरप बरामदः उन्होंने बताया कि रामकृष्णा नगर इलाके के कृष्णा निकेतन स्कूल के पीछे वाहन चेकिंग के दौरान आशंका के आधार पर एक स्कॉर्पियो गाड़ी रोकी गई, उसमें 5 लोग सवार थे। जब उसकी तलाशी ली गई तो 750 प्रतिबंधित कफ सिरप मिले। इन्होंने अपना नाम विकास, डब्ल्यू, कुंदन, रामकुमार, शिवम रंजन, बताया है।

पूछताछ में नेटवर्क का खुलासाः डीएसपी रंजन कुमार की मौजूदगी में जब पूछताछ की तो इन्होंने अपने नेटवर्क के बारे में पता चला है। फिलहाल उनकी निशानदेही पर जकरियापुर के इलाके के दो गोदाम मिले हैं। जिसमें से 23178 प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किए गए हैं। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। इस मामले में 5 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। सहरसा का डब्ल्यू यहां से खरीदकर ले जाता था और सहरसा में सप्लाई करता था। इस पूरे गिरोह का नेटवर्क झारखंड और दूसरे राज्यों से जुड़ा है।

100 साल पुराना पेड़ बाइक सवार पर गिरा, मौत

एजेंसी, पटना

❐ दुकान का सामान लाने के लिए घर से निकले थे, लौटते वक्त हादसा

पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र में बाइक सवार पर 100 साल पुराना विशाल गूलर का पेड़ गिर गया। हादसे में व्यक्ति की दबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान जल गोविंद निवासी विपिन कुमार के रूप में हुई है। जो अपने घर में राशन की दुकान चलाते थे। बताया जा रहा कि विपिन रविवार की सुबह दुकान का सामान लाने के लिए घर से बाजार के लिए निकले थे। उन्होंने सामान ले लिया था। वे बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में एक परिचित मिल गया। वे उनसे बात कर रहे थे। तभी पेड़ उनके ऊपर गिर गया। उनके साथ बात कर रहे व्यक्ति किसी तरह बच गए, पर विपिन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना एनएच-31 किनारे जल गोविंद मठ के पास की है।

जेसीबी से पेड़ को हटाया गयाः स्थानीय लोगों की मदद से जेसीबी से पेड़ को हटाया गया। विपिन को बाहर निकालकर इलाज के लिए बाढ़ अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। विपिन कुमार अपने पीछे पत्नी और चार छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं।

मोकामा में भी हादसाः मोकामा के हाथीदह थाना क्षेत्र में नवनिर्मित सिक्स लेन पर एक बड़ा हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से एक पिकअप चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान बरबीघा के बुल्ला चक वार्ड नंबर 13 निवासी बलराम साव के 22 वर्षीय पुत्र अमरजीत कुमार के रूप में हुई है। घटना हाथीदह थाना क्षेत्र में जीरो माइल से बेगूसराय की ओर एक किलोमीटर आगे हुई। अमरजीत कुमार शेखपुरा से कुरकुरे लोड कर पिकअप से बेगूसराय जा रहे थे, तभी उनके वाहन को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

धनतेरस में 1 करोड़ से महंगी 25 गाड़ियां बिकीं

एजेंसी, पटना

75 लाख का वेडिंग सेट, 15 लाख के हार की रही डिमांड, 43 हजार बिके गोल्ड कॉइन

पटना में धनतेरस के दिन ज्वेलरी शॉप, ऑटो शो रूम, इलेक्ट्रॉनिक, मोबाइल और बर्तन की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी। बाजार में वेडिंग सेट का एक हार 75 लाख का बिका है, जबकि दूसरा हार तनिष्क शोरूम में 40 लाख का बिका। 5 से 15 लाख तक के हार की डिमांड ज्यादा थी। लगभग 8 हजार सोने के सिक्के और 50 हजार चांदी के सिक्के बिके। पूरे बिहार में करीब 43 हजार छोटे-बड़े सोने के सिक्कों की बिक्री हुई।

धनतेरस पर दूसरा सबसे बड़ा कारोबार ऑटो सेग्मेंट का रहा। यहां मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू से लेकर छोटी-बड़ी 2200 कारों की बिक्री हुई। पटना में मर्सिडीज बेंज की ऑन रोड लगभग 1 करोड़ 4 लाख की 15 गाड़ियां बिकी।

पटना के बीएमडब्ल्यू शोरूम के अनुसार बिहार-झारखंड के लिए 22 कारों की डिलीवरी हुई। इनमें 10 बिहार के लिए हैं। इसमें सबसे महंगी BMW X7 है, जिसकी कीमत 1.5 करोड़ रुपए है। 2 पहिया और 4 पहिया मिलाकर 15 हजार गाड़ियों की बिक्री हुई। 13 महंगी बाइक की भी सेल हुई है।

बेंगलुरु से पटना लौटे इंजीनियर का नहीं मिला सुराग पिता बोले- 1 महीने पहले ही ज्वॉइन की थी नौकरी

एजेंसी, पटना

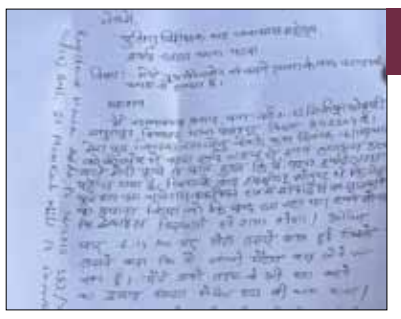

कहा था बस से शिवहर आ रहा

पटना एयरपोर्ट से 3 दिन पहले को सॉफ्टवेयर इंजीनियर वेणु चैतन्य गायब हुए थे। वे कहां हैं अब तक पता नहीं चला है। पुलिस उनकी खोजबीन में लगी हुई है। पिता अपने बेटे को लेकर काफी चिंतित हैं। पिता के अनुसार एयरपोर्ट से वेणु ने अपने जीजा से फोन पर बात की थी। जीजा को बताया था कि पटना एयरपोर्ट पर उतर गया हूं। यहां से गांधी मैदान जाऊंगा। वहां से बस 8:30 बजे खुलेगी। उसी से घर शिवहर पहुंच जाऊंगा। शाम में लगभग 6:34 तक वेणु का मोबाइल ऑन रहा। उसके बाद बंद हो गया।

परिजन को लगा कि फोन की बैट्री डिस्चार्ज हो गई होगी। ये सोचकर घर वाले वेणु का इंतजार करने लगे, पर जब नहीं पहुंचे तो सभी की चिंता बढ़ गई। वेणु ने 19 सितंबर को ही कैपजेमिनी ज्वाइन की थी। दिवाली की छुट्टी में बेंगलुरु से पटना एयरपोर्ट पर उतरे थे। यहां से उन्हें शिवहर जाना था। पिता राम स्वरूप ने कहा, 'हो सकता है कहीं नशा खुरानी गिरोह का शिकार बन गया हो। अब तक पुलिस को ढूंढ लेना चाहिए था। पुलिस से आग्रह है कि मेरे बेटे को खोज ले आए।'

बस पर वेणु बैठे ही नहींः पिता रामस्वरूप प्रसाद ने बताया जब बेटे से बातचीत नहीं हुई तो मैंने बस के चालक और कंडक्टर से संपर्क किया। वे लोग हमारे पहचान के हैं। उनलोगों ने बताया कि वेणु चढ़ा ही नहीं है। इसके बाद हमलोगों ने खोजबीन शुरू की और 17 अक्टूबर को एयरपोर्ट थाने को सूचना दी। घटना के 3 दिन बाद भी कोई खोज खबर नहीं है। प्रेम-प्रसंग के सवाल पर पिता ने कहा कि वेणु का किसी लड़की के साथ अफेयर नहीं था। मेरा बेटा इस चक्कर में कभी नहीं पड़ा है। शुरू से पढ़ाई में इंटेलिजेंट था। इन सब चीजों की ओर कभी भटकाव नहीं रहा।

आखिरी बार एयरपोर्ट टोल के पास सीसीटीवी में दिखेः थाने में दिए आवेदन अनुसार वेणु इंडिगो फ्लाइट से उतरे थे। पहले उन्होंने 2 बार रैपिडो बुक किया था। दोनों बार बुकिंग कैंसिल हो गई। जिस रैपिडो वाले को बुक किया था, पुलिस ने उससे भी पूछताछ की, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। आखिरी बार वेणु को एयरपोर्ट टोल के पास सीटीटीवी फुटेज में देखा गया है। फिलहाल पटना पुलिस सीसीटीवी फुटेज और सीडीआर के आधार पर खोजबीन कर रही है। वेणु किस दिशा में गए हैं, पुलिस इसके बारे में पता लगा रही है। कैमरे खराब होने के चलते आगे के फुटेज फिलहाल नहीं मिले हैं।

मंडी में 1000 हजार से ज्यादा फल के कैरेट जले, दमकल की चार गाड़ियों ने बुझाई लपटें

एजेंसी, पटना

♦ 1 लाख से अधिक के नुकसान की आशंका

पटना की बाजार समिति फल मंडी में शनिवार देर रात आग लग गई। आग मंडी की छत पर लगी, जिससे सैकड़ों फल के कैरेट जलकर नष्ट हो गए। धनतेरस की खरीदारी के बीच हुई इस घटना से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत बहादुरपुर थाना को सूचना दी। पुलिस और अग्निशमन दल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद चार दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। पाटलिपुत्र नगर विकास समिति के अध्यक्ष रितेश कुमार बबलू ने बताया कि धनतेरस की रात जब लोग खरीदारी में व्यस्त थे, तभी मंडी की छत से धुआं उठता देखा गया। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं और छत पर रखे फल के कैरेट जल गए।

एक कैरेट की अनुमानित कीमत 100 रुपएः बबलू के अनुसार, आग इतनी भीषण थी कि आसपास की दुकानों से भी सामान हटाना पड़ा। उन्होंने बताया कि इस घटना में लगभग 1000 से अधिक फल के कैरेट जलकर खाक हो गए। एक कैरेट की अनुमानित कीमत 100 रुपए है, जिससे 1 लाख रुपए से अधिक के नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

बबलू ने यह भी बताया कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो पूरी मंडी जल सकती थी। इससे लक्ष्मी पूजा और छठ पूजा की तैयारी कर रहे फल व्यापारियों को करोड़ों रुपए का नुकसान हो सकता था। उन्होंने याद दिलाया कि 2022 में भी इसी तरह की आग से फल मंडी में करोड़ों का नुकसान हुआ था।

सुपर-30 प्रमुख आनंद बोले, नालंदा विश्वविद्यालय पर बन रही फिल्म

एजेंसी, पटना

♦ जनवरी में होगी शूटिंग, कहा- विवि की चर्चा अमेरिका तक हो रही

पटना में सुपर-30 प्रमुख आनंद कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय की चर्चा अमेरिका तक हो रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित करने के लिए आसपास अच्छे शिक्षण संस्थान खोलने की आवश्यकता पर जोर दिया। आनंद कुमार शनिवार देर रात पटना के अनीसाबाद में एक कार्यक्रम में शामिल थे। वहां वे कहे कि हाल ही में अमेरिका में एक शिक्षा संबंधी कार्यक्रम में नालंदा विश्वविद्यालय की खूब चर्चा हुई। एक रूसी टीम भी नालंदा विश्वविद्यालय पर फिल्म बना रही है, जिसकी शूटिंग जनवरी से शुरू होगी। यह फिल्म नालंदा विश्वविद्यालय के इतिहास को दर्शाएगी और इसकी शूटिंग विश्वविद्यालय के आसपास की जाएगी। फिल्म की कहानी एक ऐसे शिक्षक पर आधारित है।

छात्रों को शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ताः आनंद कुमार ने याद दिलाया कि एक समय था जब नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय में देश-विदेश से छात्र शिक्षा ग्रहण करने आते थे। उन्होंने कहा कि आज बिहार के छात्रों को शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ता है, जो राज्य के लिए चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित करने के लिए सामाजिक और सरकारी स्तर पर पहल करने की आवश्यकता बताई। आनंद कुमार के अनुसार, इन विश्वविद्यालयों के आसपास अच्छे शिक्षण संस्थान खोलने से छात्रों को इनके महत्व को समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि आज उनका सुपर 30 इसलिए सफल है क्योंकि बिहार के छात्रों में पढ़ाई की काफी रुचि है और देश के बड़े पद पर बिहार के छात्र पर लिखकर जॉब कर रहे हैं।

'लालू जी गेट मत खोलिएगा, कार्यकर्ता आपका कुर्ता फाड़ देंगे'

एजेंसी, पटना

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने महागठबंधन में सीट शेयरिंग न होने पर तंज कसा है। गिरिराज ने कहा, 'महागठबंधन में जो सीन चल रहा है। उसमें कई दल हैं, जिनपर पैसे लेकर टिकट बेचने के आरोप लग रहे हैं। कुछ प्रत्याशी तो बेचारे बेचारे फुट-फुटकर रो रहे हैं। कपड़े फाड़ रहे हैं। गिरिराज ने कहा, 'लालू यादव अपने बेटे तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, लेकिन टिकट को लेकर उनके कार्यकर्ताओं ने इतना गुस्सा है कि लालू यादव अगर अपने घर का गेट खोल दें तो वे लोग उनका कुर्ता फाड़ देंगे। इसलिए लालू जी गेट मत खोलिएगा, नहीं तो गुस्साए लोग आपका कुर्ता फाड़ देंगे।' वहीं, डिप्टी CM सम्राट चौधरी ने कहा, 'पता ही नहीं चल पा रहा कि गठबंधन हुआ भी है या नहीं। महागठबंधन का स्वरूप क्या है, कोई बता भी नहीं रहा। महागठबंधन है या नहीं.. ये सबसे बड़ा प्रश्न है। महागठबंधन को बताना चाहिए।'

बीजेपी बोली-VIP चीफ सहनी समाज को यूज करते हैंः बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज के इलेक्शन में सिर्फ 19 दिन का समय बचा है। आज नामांकन वापस लेने का आखिरी दिन है, लेकिन, उससे पहले ही LJPR कैंडिडेट सीमा सिंह का नामांकन रद्द हो गया है। उन्होंने सारण के मढ़ौरा विधानसभा सीट से नॉमिनेशन किया था। उनके डॉक्यूमेंट में कुछ खामियां पाई गई थी। उन्होंने नामांकन फॉर्म के साथ जरूरी डॉक्यूमेंट्स जमा नहीं किए गए थे। इस कारण सीमा सिंह का नामांकन रद्द कर दिया गया। इधर, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने वीआईपी पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी पर आरोप लगाते हुए कहा, 'वो सहनी समाज को केवल इस्तेमाल कर रहे हैं। इसलिए अपने ही समाज में अपनी विश्वसनीयता खो चुके हैं।'

♦ गिरिराज सिंह का लालू-तेजस्वी पर तंज, सम्राट चौधरी बोले-पता नहीं चल रहा महागठबंधन बचा या नहीं

कई सीटों पर बागी बिगाड़ रहे समीकरणः पहले चरण के चुनाव से पहले बागियों ने खलबली मचा दी है। नामांकन की प्रक्रिया पूरी होते ही अंदरूनी असंतोष खुलकर सामने आ गया है। एनडीए में टिकट कटने से असंतुष्ट नेता निर्दलीय या जन सुराज जैसी पार्टियों के टिकट पर मैदान में उतर आए हैं। इससे कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय चतुष्कोणीय हो गया है। गोपालपुर से जदयू विधायक गोपाल मंडल ने शनिवार को निर्दलीय पर्चा भरा। इस दौरान सभा को संबोधन करते हुए वो रो पड़े। उन्होंने कहा- 'लड़ाई आर पार की है। नीतीश कुमार को बहका कर मेरा टिकट कटवा दिया गया है। हमसे कोई गलती हुई है, तो माफ करते हुए एक बार फिर वोट दीजिए।मैंने कभी गलत नहीं किया है और ना करूंगा।' इसके बाद गोपाल मंडल ने रोते-रोते नारा लगवाया- प्रेम से बोलो नीतीश कुमार की जय। इसके बाद उन्होंने कहा कि, मैं नीतीश कुमार को छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगा। वहीं नरकटियागंज में भाजपा विधायक रश्मि वर्मा निर्दलीय मैदान में हैं। जबकि बगहा में भाजपा के पूर्व पदाधिकारी भूपनारायण यादव और दिनेश अग्रवाल ने बगावत का बिगुल फूंक दिया है।

पटना में सबसे अधिक उठापटकः पटना की दीघा, पटना साहिब, कुम्हरार, मनेर, पालीगंज, दानापुर, बिक्रम और बाढ़ सीटों पर एनडीए और महागठबंधन को अंदरूनी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दीघा में भाजपा के संजीव चौरसिया के सामने जदयू के नाराज नेता रीतेश रंजन सिंह जन सुराज से मैदान में हैं, जबकि भाकपा माले की दिव्या गौतम तीसरा मोर्चा बना रही हैं। पटना साहिब में नंदकिशोर यादव की जगह रत्नेश कुशवाहा को टिकट देने से मेयर पुत्र शिशिर कुमार बागी हो गए हैं। यहां भाजपा की गणित गड़बड़ा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

उप महापौर के प्रयास सफल, एकमुश्त जमा करें बकाया राशि — नहीं लगेगा ब्याज

बीएनएम @ मोतिहारी। मोतिहारी नगर निगम के उप महापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद के पाँच वर्षों के निरंतर प्रयास आखिरकार सफल रहे। उनके अथक प्रयासों से नगर निगम क्षेत्र के होल्डिंग कर बकायादारों को बड़ी राहत मिली है। अब बकायादार एकमुश्त बकाया राशि जमा कर सकेंगे, और उन पर किसी भी प्रकार का ब्याज या दंड शुल्क नहीं लगेगा। डॉ. प्रसाद पिछले कई वर्षों से मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री तथा नगर विकास मंत्री को पत्र लिखकर यह मांग कर रहे थे कि बकायादारों के ब्याज व दंड शुल्क को माफ किया जाए ताकि लोग बकाया जमा करने के लिए प्रेरित हों। उनकी पहल पर बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग ने अधिसूचना संख्या 3056 दिनांक 4 अक्टूबर 2025 जारी की है। इस अधिसूचना में डॉ. प्रसाद के सुझाए प्रस्तावों को मान्यता देते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 तथा उससे पूर्व के सभी बकाये संपत्ति करों पर ब्याज और दंड माफी की घोषणा की गई है— बशर्ते करदाता 31 मार्च 2026 तक एकमुश्त कर राशि अदा कर दें। इस निर्णय से न केवल बकायादारों को राहत मिलेगी, बल्कि सरकार को करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। बीएनएम से बातचीत में डॉ. लाल बाबू प्रसाद ने कहा, "नगर निगम क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में ऐसे लोग हैं जो ब्याज और दंड की वजह से वर्षों से कर नहीं जमा कर पा रहे थे। मैं इस विषय पर लगातार सरकार से निवेदन करता रहा और आखिरकार सरकार ने हमारी बात मान ली। यह जनता और नगर निगम दोनों के लिए लाभदायक कदम है।"सरकार की अधिसूचना जारी होते ही नगर निगम क्षेत्र में लोगों के बीच खुशी और संतोष का माहौल है। नागरिकों ने इस निर्णय को स्वागतयोग्य बताया और कहा कि इससे वे अब बिना अतिरिक्त बोझ के अपना बकाया कर चुकता कर पाएंगे।

काली पूजा को लेकर पूजा कमेटी के 9 लोगों का बना लाइसेंस

बीएनएम @ जमुई/झाझा। काली पूजा को लेकर नगर व प्रखण्ड क्षेत्र में होने वाले काली पूजा कमेटी में 9 लोगों का लाइसेंस बना। इधर थाना से लाईसेंस लेने वाले पूजा कमेटी को चुनाव को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किया है। चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने पूजा को शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न करने का निर्देश दिया। एसएचओ संजय सिंह ने बताया कि काली पूजा कमेटी को लाइसेंस निर्गत में यह बताया कि पूजा पंडाल में किसी भी तरह की राजनीति पोस्टर बैनर न लगाए न ही राजनीति नारेबाजी करे। इसके अलावे विसर्जन जुलूस को लाइसेंस में दिये गए रूट के हिसाब से ही ले जाये।

साइकिल पर नामांकन करने पहुंचे जीवेश मिश्रा, पार्टी अनुशासन और छवि पर उठे सवाल

बीएनएम @ दरभंगा। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन के आखिरी दिन नगर विकास मंत्री और भाजपा प्रत्याशी जीवेश कुमार मिश्रा ने दरभंगा की जाले विधानसभा सीट से नामांकन किया। लेकिन नामांकन से ज्यादा चर्चा उनके तौर-तरीकों की हो रही है। भाजपा के वरिष्ठ मंत्री होने के बावजूद जीवेश मिश्रा साइकिल पर सवार होकर नामांकन स्थल पहुंचे, जो समाजवादी पार्टी का चुनाव चिन्ह है। इसे लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच असमंजस और नाराजगी देखने को मिली। पार्टी अनुशासन की खुली अवहेलना पर नेतृत्व की चुप्पी ने सवाल खड़े कर दिए हैं।जानकारी के अनुसार, मंत्री मिश्रा करीब दो किलोमीटर की दूरी साइकिल चलाकर तय की और समर्थकों के साथ नामांकन स्थल पहुंचे। उनके साथ मधुबनी के सांसद अशोक यादव सहित कई नेता मौजूद थे। हालांकि, भाजपा समर्थकों का एक वर्ग इसे "जनसंपर्क का दिखावा" बता रहा है। उनका कहना है कि मंत्री जी की यह सादगी दिखाने की कोशिश चुनावी प्रचार का हिस्सा मात्र है।विवादों में घिरे मंत्री जीवेश मिश्रा हाल ही में पत्रकार से कथित मारपीट मामले में भी सुर्खियों में रहे हैं। दरभंगा के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के रामपट्टी गांव में एक यूट्यूबर से सवाल पूछे जाने पर उनके समर्थकों द्वारा बदसलूकी और मारपीट का आरोप लगा था। विपक्ष ने इस घटना को लेकर मिश्रा की गिरफ्तारी की मांग भी की थी |अब जब जीवेश मिश्रा नामांकन कर चुके हैं, तो एक ओर उनके "साइकिल प्रेम" ने पार्टी अनुशासन पर सवाल उठाए हैं, वहीं दूसरी ओर उन पर लगे पुराने आरोप फिर से चर्चा में हैं। जनता के बीच यह संदेश जा रहा है कि सत्ता के अहंकार और छवि सुधार की कोशिश में मंत्री मिश्रा ने खुद अपनी विश्वसनीयता दांव पर लगा दी है।

झाझा में राजद और एनडीए में सीधा मुकाबला

बीएनएम @ देवेंद्र कुमार (झाझा): झाझा विधानसभा क्षेत्र में आखिरकार गठबंधन का रास्ता पूरी तरह साफ हो चुका है। अब यहां का चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है। एक ओर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से जयप्रकाश नारायण यादव मैदान में हैं, तो दूसरी ओर एनडीए की ओर से दामोदर रावत चुनावी समर में उतर चुके हैं। अब तक किसी भी निर्दलीय उम्मीदवार ने मैदान में उतरने की घोषणा नहीं की है, जिससे सीधा मुकाबला दोनों दिग्गजों के बीच तय माना जा रहा है। हालांकि, एक नई पार्टी से डॉक्टर साहब भी चुनाव मैदान में हैं, लेकिन क्षेत्र में उनका प्रभाव सीमित दिखाई दे रहा है। इस बार चुनाव में राजद के पक्ष में सबसे बड़ा फायदा यह माना जा रहा है कि पिछली बार के राजद प्रत्याशी राजेंद्र यादव ने इस बार खुलकर जयप्रकाश यादव का समर्थन कर दिया है। इससे राजद के खेमे में नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। दूसरी ओर एनडीए प्रत्याशी दामोदर रावत भी अपनी विकास योजनाओं और संगठन की मजबूती के दम पर जनता के बीच अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। झाझा की जनता अब बारीकी से दोनों प्रत्याशियों के काम, छवि और क्षेत्र में पकड़ का आकलन कर रही है।अब देखना दिलचस्प होगा कि झाझा की जनता आगामी चुनाव में किसे अपना प्रतिनिधि चुनकर पटना भेजती है। अनुभवी जयप्रकाश यादव या सधे हुए संगठनकर्ता दामोदर रावत। चुनावी मैदान अब पूरी तरह सज चुका है और हवा में सियासी गर्मी बढ़ने लगी है।

पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय किये गये सम्मानित

बीएनएम @ बगहा: गंडक पार स्थित इंटरमीडिएट कांलेज मधुबनी के पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय ने शुभाश्रम धाम में नवाह् अनुष्ठान एवं प्रवचन कार्यक्रम के समापन सत्र को पंडित सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी के साथ दीप प्रज्वलित कर संबोधित किया। उन्होंने शुभाश्रम धाम को भारतीय संस्कृति, सभ्यता और जीवन दर्शन का प्रतिबिंब बताया और कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की कथा मानवी संघर्ष की छटाओं को समेटते हुए मर्यादाओं की स्थापना का प्रतिमान है। राम कथा सांस्कृतिक एकता का उत्सव है, जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने इस अवसर पर पीठाधीश्वर अखिलेश शांडिल्य, घनश्याम मणि त्रिपाठी, पंडित हेमंत तिवारी, प्रिया प्रियदर्शनी, कौशल किशोर महाराज सहित सभी विद्वानों को आशीर्वाद दिया, जिन्होंने कथा सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।पंडित सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी ने मन को विषयों से मुक्त करने की गंभीर लड़ाई लड़ने की आवश्यकता पर बल दिया और इसके लिए श्री सीताराम नाम जप को अचूक हथियार बताया। उन्होंने कहा कि मन पर नियंत्रण करना और मनचाहा करने से बचना होगा, क्योंकि संसार से कुछ भी साथ लेकर नहीं जाना है, यहाँ तक कि नंगा शरीर भी नहीं। इसलिए विषय से मुक्ति के लिए संग्राम ही एकमात्र उपाय है।पीठाधीश्वर अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक अखिलेश शांडिल्य ने पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय को अंग वस्त्र से सम्मानित किया और हनुमत् जन्मोत्सव की सफलता पर बधाई देते हुए बजरंगबली से समस्त विश्व के कल्याण की याचना की। छपरा की मानस माधुरी प्रिया प्रियदर्शनी को पंडित सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

मतदान दल के पदाधिकारियों को 30 अक्टूबर से 05 नवंबर तक द्वितीय चरण का प्रशिक्षण दिया जाएगा- जिलाधिकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में जिला के सभी 12 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन कार्यों की समीक्षा की गई। उक्त समीक्षा के दौरान सभी निर्वाची पदाधिकारी से उनके विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डिस्पैच सेंटर की तैयारी की जानकारी प्राप्त की गई। कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल मोतिहारी के द्वारा बताया गया कि सभी 12 विधानसभा क्षेत्र के लिए डिस्पैच सेंटर को पूर्ण रूप से तैयार कर दिया गया है एवं स्ट्रांग रूम में ईवीएम के रखने की जगह की मार्किंग कर दी गई है। जिलाधिकारी के पूछने पर बताया गया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल जिनके ठहराव के लिए कुल 144 लोकेशंस चिन्हित है, सभी जगह कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने जिला सशस्त्र बल के जवानों के ठहराव स्थल की भी जानकारी प्राप्त की एवं वहां भी शीघ्र सभी कार्य पूर्ण कर देने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि मतदान दल के पदाधिकारियों के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण 30 अक्टूबर से प्रारंभ होगा जो 5 नवंबर तक चलेगा। इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। प्रशिक्षण सीएस डीएवी पब्लिक स्कूल बनकट,मोतीहारी में दी जाएगी। द्वितीय चरण का प्रशिक्षण विधानसभा वार दी जाएगी। प्रशिक्षण दो पालियों में दी जाएगी। प्रथम पाली 10:00 बजे पूर्वाह्न से 1:00 बजे अपराह्न तक चलेगी एवं द्वितीय पाली 2:00 बजे पूर्वाह्न से 5:00 बजे अपराह्न तक चलेगी। विधानसभा वार प्रशिक्षण के बारे में बताया गया कि 30 अक्टूबर को 10-रक्सौल के सभी पोलिंग पर्सनल्स का प्रशिक्षण प्रथम पाली में एवं उसी दिन द्वितीय पाली में 11- सुगौली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी पोलिंग पार्टी का प्रशिक्षण दिया जाएग। इसी प्रकार 31 अक्टूबर को प्रथम पाली में 12-नरकटिया विधानसभा क्षेत्र एवं 31अक्टूबर को ही द्वितीय पाली में 13- हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र

के पोलिंग पर्सनल्स का प्रशिक्षण कराया जाएगा। 01 नवंबर को प्रथम पाली में 14- गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र एवं 01 नवंबर को ही द्वितीय पाली में 15- केसरिया विधानसभा क्षेत्र के मतदान दल पदाधिकारियो को प्रशिक्षण दिया जाएगा। 03 नवंबर को प्रथम पाली में 16- कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र एवं 03 नवंबर को ही द्वितीय पाली में 17- पिपरा विधानसभा क्षेत्र के मतदान दल पदाधिकारी को प्रशिक्षण दिया जाएगा। 04 नवंबर 2025 को प्रथम पाली में 18-मधुबन विधानसभा क्षेत्र एवं 04 नवंबर को ही द्वितीय पाली में 19- मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र के मतदान दल पदाधिकारी को प्रशिक्षण दिया जाएगा। 05 नवंबर को प्रथम पाली में 20- चिरैया विधानसभा क्षेत्र एवं 05 नवंबर को ही द्वितीय पाली में 21- ढाका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान दल पदाधिकारी को ट्रेनिंग कराया जाएगा। प्रशिक्षण के द्वितीय चरण अंतर्गत मतदान दल के वैसे कर्मी जिन्होंने फार्म 12 में अपना आवेदन दिया है,उनका वोटिंग भी बैलेट पेपर के माध्यम से प्रशिक्षण स्थल अर्थात सीएस डीएवी पब्लिक स्कूल बनकट में ही कराया जाएगा। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि इसके लिए 12 टेबल लगाए जाएंगे एवं प्रॉपर तरीके से वोटिंग कराई जाएगी। वहां पर हेल्प डेस्क भी बनाया जाएगा एवं वहां पर होने वाले मतदान की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। ज्ञातव्य है कि बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान वही कमी करेंगे जिन्होंने प्रपत्र 12 में अपना आवेदन दिया है। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि अब्सेंटी वोटर्स अर्थात वैसे मतदाता जिनकी आयु 85 वर्ष से अधिक है या दिव्यांग मतदाता हैं जिन्होंने प्रपत्र 12डी में अपना आवेदन दिया है, उनके मतदान की तिथि भी निर्धारित कर दी गई है। इनका मतदान 31 अक्टूबर को कराया जाएगा एवं उस दिन मतदान नहीं कर सकने वाले मतदाता 04 नवंबर को मतदान कर सकेंगे। इनका मतदान कराने के लिए अलग से मतदान दल का गठन किया जाएगा, जो बैलट बॉक्स के साथ उनके घर तक जाएंगे और वहां पर प्रॉपर प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए इनका मतदान कराएंगे। 31 अक्टूबर को अनुपस्थित रहने वाले अब्सेंटी वोटर्स के परिवार जनों को यह सूचना दे दी जाएगी की अगली तिथि 4 नवंबर को टीम पुनः आएगी। जिलाधिकारी ने सभी निर्वाची पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अब्सेंटी वोटर्स के प्राप्त आवेदन का समुचित जांच कर लिया जाए एवं यह देख लिया जाए कि ये मार्क कैटेगरी में है अथवा नहीं। इनका मतदान कराने के लिए मतदान दल का गठन कर देने का निर्देश दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के द्वितीय चरण के मतदान अंतर्गत पूर्वी चंपारण जिले में अन्य जिले के कार्यरत कर्मी जिन्होंने डाक मत पत्र से मतदान करने हेतु प्रपत्र- 12 में अपना आवेदन दिया है, वैसे सभी कर्मी दिनांक 30.10.2025 एवं 31.10.2025 को स्पेशल फैसिलिटेशन सेंटर लुंबिनी भवन मोतिहारी में अपने मत का प्रयोग कर सकते हैं। बैठक में जिलाधिकारी के साथ नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, उप विकास आयुक्त डॉ प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता प्रिया रानी,उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री सरफराज नवाज सहित सभी छः अनुमंडल के अनुमंडल पदाधिकारी डीसीएलआर,जिला के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रतिनियुक्त सभी सेक्टर पदाधिकारी, जिला स्तर पर गठित सभी को कोषांगों के नोडल पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलती रहे विभाग है तैयार

बीएनएम @ मोतिहारी

दीपावली और छठ पूजा के मद्देनजर विद्युत विभाग ने निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की पूरी तैयारी कर ली है। विभाग ने 'चप्पा-चप्पा गली-गली, हमारा आधार ऊर्जस्वित बिहार' के संकल्प को ध्यान में रखते हुए उपभोक्ताओं के लिए बेहतर सेवा देने का विशेष प्रबंधन किया है। त्योहारों के दौरान बिजली आपूर्ति की सतत मॉनिटरिंग के लिए डिवीजन स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जो 24 घंटे संचालन में रहेंगे। विद्युत कार्यपालक अभियंता प्रदीप कुमार सुमन ने सभी उपभोक्ताओं को दीपावली और छठ की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति या बिजली से जुड़ी शिकायत के लिए उपभोक्ता सीधे कंट्रोल रूम की दूरभाष संख्या 9264456405 पर संपर्क कर सकते हैं। विभाग का कहना है कि त्योहारों के दौरान बिजली की बढ़ी मांग को देखते हुए सभी ट्रांसफॉर्मर और लाइनों की सघन जांच और मरम्मत का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है। विद्युत विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि दीप जलाते समय एवं पटाखे फोड़ते समय विद्युत पोल, ट्रांसफॉर्मर और खुले तारों से दूरी बनाए रखें, ताकि किसी भी दुर्घटना या शॉर्ट सर्किट की संभावना न रहे। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दीपावली और छठ पूजा के पावन पर्व पर मोतिहारी के उपभोक्ताओं को बिना रुकावट बिजली उपलब्ध होती रहे।

मनसफ़ अली हत्याकांड में तीन गिरफ्तार, भेजे गए जेल

» मुखिया फरजाना अंसारी व कुख्यात कमरुद्दीन सहित आठ नामजद

बीएनएम @हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के मुरारपुर पंचायत के सरिसवा गांव निवासी मनसफ़ अली हत्याकांड में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में सरिसवा गांव निवासी नईमुद्दीन अंसारी के पुत्र इज़हार आलम, औरैया गांव निवासी मो. जमशेद मियां के पुत्र मोहम्मद कलाम तथा सरिसवा गांव निवासी स्वर्गीय खलिल मियां के पुत्र रहमत मियां शामिल हैं। पुलिस ने इज़हार आलम के पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। रविवार को थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि मृतक की पत्नी शमीमा खातून के आवेदन पर आठ लोगों को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी में जेल में बंद मुखिया फरजाना खातून एवं उनके पति कुख्यात कमरुद्दीन अंसारी को हत्या की साजिशकर्ता बताया गया है। वादिनी शमीमा खातून ने अपने आवेदन में बताया है कि 16 अक्टूबर की रात उनके पति मनसफ़ अली (पिता भिखारी मियां, निवासी सरिसवा) अपने भांजे ममनून आलम (पिता कयामुद्दीन अंसारी, निवासी सरिसवा) के साथ औरैया गांव से भोज खाकर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जब वे अपने घर से लगभग 60–70 मीटर पश्चिम रोड पर पहुंचे, तभी दो बाइक पर सवार छह अपराधियों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि मुखिया फरजाना अंसारी व कमरुद्दीन अंसारी के आदेश पर आरोपी कतील अख्तर उर्फ सिपाही ने पिस्टल से मनसफ़ अली के सिर में गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि हत्या के इस मामले में नामजद आठ अभियुक्तों में से तीन को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेजा गया है। वहीं, अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस अनुसंधान के हर पहलू पर गंभीरता से काम कर रही है और जल्द ही सभी आरोपितों को न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाया जाएगा।

दिवाली–छठ पर्व पर विशेष पोलियो अभियान 18 से 28 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है

» नेपाल व बाहरी राज्यो से बिहार लौटने वाले 5 वर्ष तक के बच्चों पर रहेगी नजर

» चुने हुए बस स्टैंड एवम रेलवे स्टेशन पर पिलाई जाएगी दवा

बीएनएम @ मोतिहारी

दिवाली-छठ पर्व पर विशेष पोलियो अभियान के तहत 18 से 28 अक्टूबर तक बच्चों को पल्स पोलियो से बचाव को दवा पिलाई जा रही है। वहीं इसको लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है इस सम्बन्ध में सिविल सर्जन डॉ रविभूषण श्रीवास्तव व डीआईओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया की नेपाल व बाहरी राज्यो से बिहार लौटने वाले 5 वर्ष तक के बच्चों पर रहेगी टीम की नजर। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रक्सौल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन ने बताया की रक्सौल के सटे हुए नेपाल की सीमा है जहाँ से बाहरी लोग आते है इसलिए यहाँ के चुने हुए बस स्टैंड एवम रेलवे स्टेशन पर बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। 05 साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक रेलवे स्टेश नए बस स्टैंड ए के साथ छठ घाटों पर भी टीकाकरण की व्यवस्था की जाएगी। विशेष अभियान में खासकर वैसे बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाना है, जो त्योहार के समय अपने घर आए हों। बता दें कि जिला को पोलियो के खतरों से मुक्त कराने के उद्धेश्य से यह विशेश पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है।जो आगामी 28 अक्टूबर तक चलेगा। पूर्वी चम्पारण के सीएस डॉ रविभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि पर्व त्योहार में बाहर से आने.जाने वाले बच्चे पोलियो की खुराक पीकर पोलियो के संभवित खतरों के प्रति सुरक्षित हो सकें। इसलिए ट्रांजिट टीम के साथ स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया गया है कि रेलवे स्टेशनए बस स्टैंड के साथ छठ घाटों पर बच्चों को प्लस पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाए। वहीं डॉ एस.सी शर्मा ने बताया कि चिह्नित स्थान जहां से बाहर के बच्चे जिले में प्रवेश करेंगे तथा जिले से प्रखंड व संबंधित गांव में प्रवेश करेंगे। उन जगहों पर कर्मी को नियुक्त किया गया है। पर्यवेक्षण के लिए सुपरवाइजर भी प्रतिनियुक्त किए गए हैं। बापूधाम मोतिहारी, समेत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रक्सौल के अंतर्गत दीपावली, छठ पूजा स्पेशल पोलियो उन्मूलन अभियान में पोलियो ट्रांजिट टीम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 1 पर दलकर्मी द्वारा बच्चों को दवा पिलाया गया.वहीं दल का अनुश्रवण प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी,नोडल चिकित्सा पदाधिकारी,बीएमसी यूनिसेफ द्वारा किया गया।

देशी कट्टे के साथ 90 लीटर शराब बरामद

बीएनएम @ बगहा

बगहा पुलिस जिला के नदी थाने की पुलिस ने विधान सभा चुनाव के मद्देनजर विशेष अभियान चला कर बहुत ही बड़ी कार्रवाई की है। नदी थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के भगवान पुर दियरा से गुप्त सूचना के आधार पर 90 लीटर देशी शराब एवं एक देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस के साथ एक शराब तस्कर को दबोचा है। जिसके विरुद्ध पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया। नदी थानाध्यक्ष दीपक कुमार प्रसाद ने बताया कि शराब की बड़ी खेप आने की सूचना मिली थी। सूचना के आलोक में थाना क्षेत्र के भगवानपुर दियारे में छापेमारी अभियान चलाई गई। जहां 10 पेटी देसी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार शराब तस्कर के कमर से एक देशी

कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। गिरफ्तार शराब तस्कर की पहचान थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव निवासी बालेश्वर यादव के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पूर्व आपराधिक इतिहास खंघाली जा रही है। तथा गिरफ्तार धंधेबाज के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में बगहा भेजा जा रहा है।

त्योहारों में अव्यवस्था फैलाने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई - एसडीएम

शांति समिति की बैठक में छठ व दीपावली को लेकर बनी रणनीति

बीएनएम @ बगहा

शांति समिति की बैठक में उपस्थित लोग

बगहा अनुमंडल सभागार में रविवार को छठ एवं दीपावली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी बगहा गौरव कुमार ने की। इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बगहा कुमार देवेंद्र, रामनगर एसडीपीओ रागिनी कुमारी, बगहा एक एवं बगहा दो प्रखंड विकास पदाधिकारी, नगर परिषद बगहा एवं रामनगर के कार्यपालक पदाधिकारी, अंचल अधिकारी बगहा एक, बगहा दो एवं रामनगर के साथ-साथ बगहा, पटखौली, रामनगर तथा चौतरवा थानाध्यक्ष राहुल सिंह मौजूद रहे।बैठक में बगहा, बगहा दो एवं रामनगर प्रखंडों के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक में छठ और दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि छठ घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, लाइटिंग, सड़क की साफ-सफाई और प्रतिबंधित घाटों पर रोक सुनिश्चित की जाएगी।अनुमंडल पदाधिकारी गौरव कुमार ने निर्देश दिया कि सभी घाटों की सफाई समय पर पूरी कर ली जाए और वहां पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था हो। साथ ही, भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। पर्व के दौरान लाउडस्पीकर का उपयोग करने के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि घाटों पर लगाए जाने वाले बैनर-पोस्टर में किसी भी राजनीतिक दल या व्यक्ति का फोटो नहीं लगाया जाएगा। पर्व के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था या अराजकता फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।बैठक में अधिकारियों ने सभी प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि छठ और दीपावली का पर्व आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया जाए ताकि क्षेत्र में शांति एवं सामंजस्य का वातावरण बना रहे।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी सांसद के वायरलविवादित बयान पर चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग

बीएनएम @ पटना : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सियासी गतिविधियां तेज हैं और इस बीच मधुबनी से बीजेपी सांसद अशोक यादव का एक विवादित बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। यह घटना दरभंगा जिले के केवटी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की चुनावी रैली के दौरान हुई, जो डॉ. मुरारी मोहन झा के नामांकन अवसर पर आयोजित की गई थी।वीडियो में सांसद अशोक यादव मुस्लिम समुदाय को संबोधित करते हुए कहते नजर आए कि "अगर मोदी से नफरत है तो कहो, मैं मुफ्त का खाना नहीं खाऊंगा, सिलेंडर नहीं लूंगा, मोदी की बनाई सड़क पर नहीं चलूंगा, मोदी के पुल पर नहीं चलूंगा, मैं तैरकर नदी पार करूंगा।" उन्होंने आरोप लगाया कि कई लोग विकास योजनाओं का लाभ उठाते हुए फिर भी प्रधानमंत्री और भाजपा को गाली देते हैं।सांसद ने अपने बयान की पुष्टि की और कहा कि उन्होंने केवल यह समझाने की कोशिश की कि देश के हर वर्ग को सुविधाएं दी गई हैं और इसका लाभ उठाने के बावजूद किसी को प्रधानमंत्री को दोष देने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जनता इस मामले में जवाब देगी।हालांकि, विपक्षी दलों ने इस बयान को चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बताया है और चुनाव आयोग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। सोशल मीडिया पर भी बयान पर तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं। कई लोग इसे ध्रुवीकरण की राजनीति का उदाहरण मान रहे हैं, जबकि भाजपा समर्थकों का कहना है कि सांसद केवल लोगों को दोहरे मापदंड से बचने के लिए चेतावनी दे रहे थे।स्थानीय प्रशासन ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी है। इस घटना ने बिहार की राजनीति में विकास बनाम वोट बैंक रणनीति की बहस को फिर से सक्रिय कर दिया है।

आज नामांकन करेंगे मोहन श्रीवास्तव

बीएनएम @ गया जी: कांग्रेस प्रत्याशी अखौरी ओंकारनाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव सोमवार को सदर एसडीओ कार्यालय में अपना नामांकन करेंगे। इसके बाद वे नामांकन सभा गया क्लब में शामिल होंगे।उन्होंने बताया कि इस बार गया शहरी विधानसभा में बदलाव होना निश्चित है। गौरतलब है कि मोहन श्रीवास्तव ने पिछले विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी डॉ. प्रेम कुमार को कड़ी टक्कर दी थी। उनके नामांकन में महागठबंधन के कई नेता शामिल होंगे।

एनडीए की जीत के लिए बनी रणनीति

बीएनएम @ गया जी: भारतीय जनता पार्टी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने किया।बैठक में गया शहर के प्रमुख भाजपा नेता, कार्यकर्ता एवं किसान मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य गया जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में एनडीए की जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति तैयार करना था।डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि गया शहरी विधानसभा क्षेत्र सहित भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को विजयी बनाना हम सभी कार्यकर्ताओं का संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और बिहार में एनडीए की पुनः सरकार बनाना हम सभी का लक्ष्य है। इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को गांव-गांव और घर-घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाना होगा।उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता के बीच जाकर मोदी सरकार की उपलब्धियों, विकास योजनाओं और भाजपा की नीतियों को साझा करें, ताकि आम जनता को यह विश्वास हो कि भाजपा ही देश और राज्य के विकास की असली धुरी है। बैठक में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि गया जिले के दसों विधानसभा क्षेत्रों में एनडीए की प्रचंड जीत सुनिश्चित करने के लिए वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।डॉ. मिश्रा ने कहा कि यह सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है, जिसमें प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता की भागीदारी आवश्यक है। बैठक का समापन विजय संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी ने एकजुट होकर भाजपा के प्रति अपने समर्पण को दोहराया। आज के बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता राणा रणजीत सिंह प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, संतोष ठाकुर, गोपाल प्रसाद यादव, दीपक पांडे, मंटू कुमार, महेश यादव, बब्लू गुप्ता, कुंदन सिंह सहित अन्य उपस्थित हुए।

सोशल मीडिया को लेकर रेल्वे बोर्ड की विशेष नजर

बीएनएम @ गया जी : रेलवे प्रशासन ने सोशल मीडिया पर रेलवे से जुड़े भ्रामक वीडियो साझा करने वाले सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ अब सख्त कदम उठाने जा रही है। इस त्योहार के सीजन में कुछ सोशल मीडिया हैंडल्स पर पुरानी या भ्रामक वीडियो वायरल कर यात्रियों में भ्रम और असंतोष फैलाया जा रहा है। विभागीय सूत्रों ने बताया कि रेलवे बोर्ड के निर्देश पर पूर्व मध्य रेलवे के जीएम छत्रसाल सिंह और आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने इस सम्बंध में कड़े रुख अख्तियार किया है। साथ ही चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया पर रेलवे का भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ अब बड़ा एक्शन होगा। रेलवे प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि अब तक 20 से ज्यादा ऐसे सोशल मीडिया हैंडल्स की पहचान कर एफआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रेलवे द्वारा सोशल मीडिया पर 24 घंटे मॉनिटरिंग कर ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। रेलवे ने सभी सोशल मीडिया यूजर से अपील की है कि बिना तथ्यों की जांच किए स्टेशनों पर भीड़भाड़ एवं अन्य वीडियो को साझा करने से बचें। रेलवे का यात्रियों से अनुरोध है कि केवल आधिकारिक रेलवे नोटिफिकेशन और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर ही भरोसा करें। बताया गया की रेलवे से संबंधित भ्रामक सूचना फैलाने से कार्य पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही लोगों पर अविश्वास की भावना जाग जाती है। जबकि रेलवे देश हित सहित रेल हित और जनहित के तहत लगातार सेवारत है। हर यात्रियों को हर संभव सहायता देने के साथ सामाजिक स्तर के कार्यों में बड़ी भूमिका निभा रही है।

बिहार चुनाव 2025:– न सीट तय, न नेता तय, जनता भूल चुकी राहुल गांधी: अमित शाह

बीएनएम @ पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नजदीक आते ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महागठबंधन (आरजेडी-कांग्रेस) पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को एक रैली में शाह ने विपक्षी गठबंधन की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि महागठबंधन "अस्थिर और दिशाहीन" है, क्योंकि न तो उनके पास सीटें तय हैं और न ही कोई नेता। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिहार की जनता अब राहुल गांधी को भूल चुकी है।

घुसपैठियों और SIR पर हमला:– अमित शाह ने चुनाव आयोग के SIR (Special Identification Register) फैसले का समर्थन किया और इसे पूरे देश में लागू करने की मांग की। उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी की इस फैसले पर चुप्पी पर सवाल उठाया। शाह ने सीधे तौर पर कहा कि बिहार की सत्ता का फैसला किसी विदेशी नागरिक को नहीं करने दिया जाएगा और भाजपा घुसपैठियों को चुन-चुनकर देश से बाहर करेगी।

विकास बनाम ध्रुवीकरण की राजनीति:– शाह ने महागठबंधन पर केवल ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और दावा किया कि आरजेडी और कांग्रेस धर्म या जाति के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास कर रहे हैं। इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि भाजपा केवल "विकास और कानून व्यवस्था" की राजनीति पर केंद्रित है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को 'पेड लीव'

» वेतन नहीं कटेगा,चुनाव आयोग की बड़ी घोषणा

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को देखते हुए चुनाव आयोग ने कर्मचारियों और कामकाजी वर्ग के लिए अहम घोषणा की है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि वोटिंग वाले दिन सभी कर्मचारियों को पेड छुट्टी मिलेगी और इस दौरान किसी के वेतन या मजदूरी में कोई कटौती नहीं होगी। इसका उद्देश्य मतदाताओं को किसी भी आर्थिक या कार्यस्थली दबाव के बिना अपने मत का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है।चुनाव आयोग ने बताया कि यह प्रावधान रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1951 की धारा 135B के तहत लागू है। इसके अनुसार, किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक प्रतिष्ठान या अन्य संस्थान में कार्यरत हर व्यक्ति, जो विधानसभा या लोकसभा चुनाव में मतदान का हकदार है, उसे मतदान के दिन भुगतान सहित अवकाश मिलेगा। आयोग ने चेतावनी दी है कि नियम का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जुर्माना या अन्य सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।इस पेड छुट्टी का लाभ स्थायी कर्मचारियों के साथ-साथ अस्थायी और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी मिलेगा। इससे सभी श्रमिक बिना किसी आर्थिक नुकसान के मतदान में भाग ले सकेंगे। आयोग ने यह भी कहा कि यह नियम सिर्फ बिहार विधानसभा चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि 11 नवंबर को होने वाले सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आठ विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों पर भी लागू होगा।विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल मतदान दर बढ़ेगी, बल्कि लोकतंत्र में लोगों की सहभागिता भी मजबूत होगी। कर्मचारियों को यह सुविधा स्वतंत्र रूप से मतदान केंद्र पहुँचने और अपने मत का प्रयोग करने में मदद करेगी। चुनाव आयोग का यह कदम लोकतंत्र की मजबूती और सभी वर्गों को समान अवसर देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है।

देवघाट पर मतदाता जागरूकता के लिए दीपोत्सव आयोजित

देवघाट पर दीपोत्सव का शुभारंभ करते डीएम

बीएनएम @ गया जी

बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर स्वीप (SVEEP) कार्यक्रम के अंतर्गत आज विष्णुपद स्थित देवघाट पर दीपोत्सव का आयोजन किया गया।इस अवसर पर आयुक्त डॉ सफ़ीना ए एन तथा जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशांक शुभंकर द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। दीपोत्सव का उद्देश्य मतदाताओं में जागरूकता फैलाना और उन्हें लोकतंत्र के महापर्व मतदान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था।इस अवसर पर स्वीप टीम द्वारा मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला गया और अधिकाधिक लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान करने की अपील की गई।

कांग्रेस की दूसरी लिस्ट जारी: 7 मुस्लिम प्रत्याशियों पर बड़ा दांव

» सीमांचल में अल्पसंख्यक वोट साधने की कोशिश

बीएनएम @पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर कांग्रेस ने देर रात अपनी दूसरी सूची जारी की। इस नई सूची में 5 नाम शामिल हैं, जबकि पहली लिस्ट में 48 प्रत्याशी घोषित किए जा चुके थे। यानी अब तक कांग्रेस 53 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार चुकी है। हालांकि, महागठबंधन के भीतर राजद, वाम दलों और वीआईपी के साथ सीट बंटवारे को लेकर अब भी पूरी तस्वीर साफ नहीं है। इसके बावजूद कांग्रेस अपने संगठनात्मक समीकरण और सामाजिक आधार को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्र रणनीति अपना रही है। नई सूची के अनुसार, नरकटियागंज से शाश्वत केदार पांडे, किशनगंज से मोहम्मद कमरुल हुडा, पूर्णिया से जितेंद्र यादव, गया टाउन से मोहन श्रीवास्तव और कस्बा से मोहम्मद इरफान आलम को टिकट दिया गया है। इनमें 3 मुस्लिम उम्मीदवार शामिल हैं, जबकि पहली लिस्ट में 4 मुस्लिमों को टिकट मिला था। इस तरह कांग्रेस अब तक 7 मुस्लिम चेहरों पर भरोसा जता चुकी है। पार्टी का यह कदम साफ संकेत देता है कि वह सीमांचल और उत्तर बिहार के उन इलाकों पर विशेष ध्यान दे रही है जहां अल्पसंख्यक मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह दांव दोहरे मकसद से जुड़ा है—एक ओर वह अल्पसंख्यक वोटबैंक को मजबूत करना चाहती है, दूसरी ओर राजद के प्रभाव वाले क्षेत्रों में अपनी स्वतंत्र पकड़ बनाने की कोशिश भी कर रही है। वहीं, महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर जारी असमंजस यह भी दिखाता है कि हर दल अपने अस्तित्व और प्रभाव को बनाए रखने के लिए आंतरिक रूप से रणनीतिक जद्दोजहद में जुटा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव आज झाझा विधानसभा से करेंगे नामांकन

बीएनएम @पटना

पूर्व केंद्रीय मंत्री और समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण यादव कल, 20 अक्टूबर 2025 को जमुई जिला समाहरणालय में झाझा विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इस संबंध में जानकारी प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने दी। एजाज अहमद ने बताया कि जयप्रकाश नारायण यादव का यह कदम जनसेवा की लंबी विरासत को और मजबूती देने के उद्देश्य से उठाया गया है। वे झाझा की जनता से सीधे जुड़कर उनके मुद्दों को समझने और समाधान के लिए काम करने का संकल्प लेकर चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। उनका मानना है कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बेहतर बिहार और मजबूत झाझा की दिशा में जनता का सहयोग और समर्थन बेहद महत्वपूर्ण है।जयप्रकाश नारायण यादव ने खुद झाझा की जनता से अपील की है कि वे भारी संख्या में नामांकन कार्यक्रम में शामिल हों। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक चुनावी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि जनता और उनके मुद्दों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का अवसर है। उनका प्रयास है कि जनता के बीच जाकर उनके हितों को प्राथमिकता दी जाए और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में विकास की गति तेज की जाए।नामांकन कार्यक्रम के दौरान जयप्रकाश नारायण यादव जनता से मिलेंगे और उनके सवालों व चिंताओं को सुनकर अपने राजनीतिक एजेंडा को स्पष्ट करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस प्रक्रिया में झाझा की जनता की भागीदारी निर्णायक होगी और इससे क्षेत्र के विकास को मजबूती मिलेगी।इस कदम से यह स्पष्ट होता है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जनता की आवाज को प्राथमिकता देते हुए तेजस्वी यादव के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। जनता से जुड़ाव और क्षेत्र के विकास पर जोर देते हुए उनका यह नामांकन अभियान महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत माना जा रहा है।

जीबीएम में रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

» दुर्गा टीम की श्रुति, शिवानी एवं मुस्कान की रंगोली प्रथम स्थान पर चयनित

बीएनएम @ गया जी

गौतम बुद्ध महिला कॉलेज में प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल के संरक्षण में एवं कॉलेज की एनएसएस इकाई, एनसीसी इकाई, कला परिषद एवं गृहविज्ञान विभाग के संयुक्त संयोजन में धनतेरस एवं महापर्व दीपावली के शुभ अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी ने बताया कि प्रतियोगिता के तहत सभी प्रतिभागियों को दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती, काली, पार्वती, एवं सीता टीमों में विभाजित कर दिया गया था। छात्राओं ने काफी उत्साह के साथ लाल, पीले, नीले, हरे, गुलाबी रंगों से सुसज्जित अत्यंत सुंदर रंगोलियां बनायीं। टिमटिमाते दीपकों से उसे सजाया भी। कल्पना, सौंदर्यीकरण, कलात्मकता एवं स्वच्छता के आधार पर टीम दुर्गा की श्रुति सिंह, शिवानी कुमारी एवं मुस्कान कुमारी की रंगोली को प्रथम स्थान मिला; टीम लक्ष्मी की रिया सिंह, श्वेता कुमारी, प्रीति कुमारी, शुभांगी मिश्रा एवं काजल कुमारी को द्वितीय; तथा टीम सरस्वती की नेहा, किरण, सुषमा एवं पूजा को, तथा टीम काली की खुशी राज, रीना सिन्हा एवं खुशी कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मंडल में नैक समन्वयक डॉ शगुफ्ता अंसारी, डॉ अनामिका कुमारी एवं डॉ वीणा कुमारी जायसवाल थीं।वीडियो कॉल द्वारा कार्यक्रम से जुड़ीं प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल ने सभी प्रतिभागियों एवं समस्त कॉलेज परिवार को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने छात्राओं द्वारा बनायी गयी रंगोलियों की प्रशंसा करते हुए सुरक्षित तथा आनंदमय दीपावली मनाने का परामर्श दिया। एनसीसी सीटीओ डॉ नगमा शादाब ने छात्राओं से सावधानी से पटाखे जलाने की बात कही, तो गृहविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ प्रियंका कुमारी ने छात्राओं को मिलावटी मिष्ठानों के सेवन से बचने कहा। पीआरओ डॉ रश्मि ने बताया कि कॉलेज द्वारा दीपोत्सव पर प्रतिवर्ष रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, जिसका मूल उद्देश्य छात्राओं में कलात्मकता, भारतीय संस्कृति के प्रति अपनत्व एवं सम्मान भाव का विकास करना है। छात्राओं ने प्रतियोगिता में रुचि, तन्मयता, लगनशीलता एवं उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ फरहीन वज़ीरी, डॉ शुचि सिन्हा, डॉ कृति सिंह आनंद, डॉ पूजा, डॉ अफशां नाहिद, डॉ विजेता लाल, डॉ सीता एवं डॉ नुद्रतुन निसां की भी उपस्थिति रही।

झाझा पब्लिक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

प्रातः आवाज

जमुई/झाझा। दीपावली के पावन अवसर पर झाझा पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के बीच रंगोली एवं दीया सजाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी सुंदर रंगोलियाँ बनाई और दीपों को आकर्षक ढंग से सजाया, जिससे विद्यालय का वातावरण आलोकमय और मनमोहक बन गया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ0 सुरेंद्र निराला ने बच्चों की रचनात्मकता और मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व हमें अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे त्योहार को हर्षोल्लास, स्वच्छता और सुरक्षा के साथ मनाएँ। कार्यक्रम में शिक्षकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और बच्चों को प्रोत्साहित किया। अंत में सभी ने एक-दूसरे को दीपावली और छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। पूरे विद्यालय परिसर में उल्लास, प्रेम और प्रकाश का अद्भुत माहौल छा गया।

रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे

दुकान का एलबेस्टर तोड़ कर चोरी

पीड़ित ने थाने में दिया आवेदन

बीएनएम @ बगहा

घटना स्थल पर जांच करती पुलिस

बगहा के पठखौली थाना क्षेत्र के नरैनापुर वार्ड संख्या 8 निवासी विनोद राय की दुकान में बीती रात चोरी की घटना घटी है। जानकारी के अनुसार, अज्ञात चोरों ने दुकान का एलबेस्टर तोड़कर अंदर प्रवेश किया और करीब 75 हजार रुपये नकद तथा 10 हजार रुपये के सामान की चोरी कर ली। सुबह जब दुकान स्वामी ने दुकान खोली, तो देखा कि शटर और ऊपर का एलबेस्टर टूटा हुआ था तथा सामान बिखरा पड़ा था।घटना की सूचना मिलते ही पठखौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। इस मामले में पीड़ित दुकानदार विनोद राय ने थाना में लिखित आवेदन देकर छह लोगों पर संदेह जताया है। जिनमें निक्कु देवी, रवि कुमार, मुन्ना दूबे, चंद्रदेव गौड़, सुरेश चौधरी और जगरम चौधरी शामिल हैं। सभी आरोपी पीड़ित के पड़ोसी बताए जा रहे हैं।विनोद राय ने अपने आवेदन में कहा है कि संदेह के घेरे में आए ये सभी लोग लंबे समय से नशे का कारोबार करते हैं और गांव में नशे की बिक्री करते हैं। उनके अनुसार, इनकी गतिविधियों से क्षेत्र में नशे का प्रसार बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय युवाओं पर गलत प्रभाव पड़ रहा है।दुकानदार ने प्रशासन से मांग की है कि चोरी की इस घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही चोरी हुए नकद और सामान की बरामदगी सुनिश्चित की जाए।फिलहाल पुलिस ने आवेदन के आधार पर जांच शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पटखौली थाना अध्यक्ष हृदयानंद सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की टीम को मौके पर भेजी गई। मामले में जांच पड़ताल जारी है।

आंगनवाड़ी सेविकाएं मतदाताओ को कर रही जागरूक

बीएनएम @ बरहट/जमुई

मतदाताओं को जागरूक करती आंगनबाड़ी सेविकाएं

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, जिला प्रशासन के निर्देश पर स्वीप कोषांग के अंतर्गत रविवार को विभिन्न मतदान केंद्रों पर नए मतदाताओं को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।इसी क्रम में प्रखण्ड क्षेत्र के बरहट पंचायत के केंद्र संख्या 84 (बूथ संख्या 266) और केंद्र संख्या 87 (बूथ संख्या 241) पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।जागरूकता कार्यक्रमों में स्थानीय आंगनवाड़ी सेविकाओं ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए मतदाताओं, विशेषकर नए और युवा वोटरों, को 'शत-प्रतिशत मतदान' के लिए प्रेरित किया। आंगनवाड़ी सेविकाओं ने घर-घर जाकर और बूथ स्तर पर समूह बनाकर लोगों को न केवल वोट देने के महत्व को समझाया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी युवा मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं।स्वीप कोषांग के अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवा मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ना और उन्हें यह समझाना है कि एक मजबूत लोकतंत्र के लिए उनका एक-एक वोट कितना महत्वपूर्ण है। आने वाले दिनों में प्रखंड के अन्य मतदान केंद्रों पर भी इसी तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि विधानसभा चुनाव में बरहट प्रखंड में रिकॉर्ड तोड़ मतदान सुनिश्चित किया जा सके।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने नए मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र (EPIC) प्राप्त करने और वोटिंग प्रक्रिया को लेकर किसी भी संशय को दूर करने के लिए आवश्यक जानकारी भी प्रदान की।

विकल्प और भी हैं!

भारत की असल चिंता यह है कि सितंबर में साल भर पहले की तुलना में सेवा क्षेत्र के निर्यात में 5.5 प्रतिशत की कमी आई। जबकि सेवा क्षेत्र ने वस्तु व्यापार में घाटे को काफी हद तक संभाले रखा है। डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर का असर सितंबर में पड़ा। अमेरिका के लिए भारत के निर्यात में लगभग 12 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बावजूद भारत का कुल निर्यात सितंबर 2024 की तुलना में 6.74 प्रतिशत बढ़ा। स्पष्टतः अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की पहुंच घटने की भरपाई दूसरे बाजारों ने की। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इनमें चीन और यूएई की अहम भूमिका रही। चीन के लिए भारत का निर्यात 34 फीसदी, जबकि यूएई के लिए 24 फीसदी बढ़ा। चूंकि चीन से आयात में 16 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हुई, तो कुल मिला कर चीन से भारत के व्यापार घाटे की खाई कुछ पटी। मगर यूएई से व्यापार घाटा बढ़ गया, क्योंकि वहां से आयात 33 फीसदी बढ़ा। इसमें सबसे बड़ा योगदान सोने का रहा, जिसकी महंगाई का बोझ आयात बिल पर महसूस हुआ। इसी तरह ऐसा लगता है कि मुक्त व्यापार समझौते का अधिक लाभ ब्रिटेन को हो रहा है, जिससे आयात में 54 फीसदी का इजाफा हुआ। ब्रिटेन के लिए भारतीय निर्यात में महज 12 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। वैसे भारत की असल चिंता यह है कि सितंबर में साल भर पहले की तुलना में सेवा क्षेत्र के निर्यात में 5.5 प्रतिशत की कमी आई। जबकि सेवा क्षेत्र ने वस्तु व्यापार में घाटे को काफी हद तक संभाले रखा है। इसमें गिरावट आगे भी जारी रही, तो भारत की व्यापारिक मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसा होने की आशंका इसलिए है, क्योंकि आर्टफिशियल इंटेलीजेंस के बढ़ते उपयोग का परिणाम सेवा क्षेत्र के निर्यात पर पड़ने की चर्चा आम है। इसके मद्देनजर यह उचित होगा कि भारत इसकी भरपाई वस्तु निर्यात से करने की रणनीति बनाए। सितंबर में संकेत यह मिला कि अमेरिकी बाजार भले भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हो, लेकिन वहां होने वाले नुकसान की भरपाई की गुंजाइशें भी मौजूद हैं। इस लिहाज से जो बाजार भारत के काम आ सकते हैं, उन देशों से आर्थिक संबंधों को मजबूती देना फिलहाल सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। यह दीगर है कि भारत सरकार की प्राथमिकता अभी तक उन विकसित बाजारों से जुड़ने की रही है, जहां पांव पसारने की ज्यादा संभावना नहीं है।

उत्सव मेरे प्राणः भारतीयता का स्वर दीपावली

डॉ. शिवानी कटारा

भारतीय उत्सव केवल पर्व नहीं, बल्कि सनातन चेतना के दीप हैं — जो हर युग में हमारे भीतर धर्म, प्रेम, शक्ति और एकता की ज्योति प्रज्वलित करते रहे हैं। भारत की आत्मा जब मुस्कुराती है, तो वह उत्सव के रूप में अभिव्यक्त होती है। यहाँ ऋतुएँ बदलती हैं तो पर्व जन्म लेते हैं, फसल पकती है तो त्यौहार मनाए जाते हैं, और जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई संस्कार साथ चलता है। विदेशी आक्रमणों के समय यही उत्सव हमारी सांस्कृतिक रक्षा-पंक्ति बने और भारतीय अस्मिता के प्रहरी रहे। सनातन संस्कृति में उत्सव मात्र परंपरा नहीं, बल्कि भारत की वास्तविक प्राणशक्ति हैं। भारतीयता के स्वर, जो सनातन संस्कृति से उद्भूत हैं, उनमें उत्सव जीवन के मधुर राग बनकर प्रवाहित होते हैं। हर उत्सव किसी गहन दर्शन से जुड़ा है। महर्षि पतंजलि ने कहा — "योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः", अर्थात योग मन की वृत्तियों का निरोध है। उत्सव वही योग हैं — जहाँ व्यक्ति 'मैं' से ऊपर उठकर 'हम' में विलीन होता है, क्योंकि धर्म जीवन से अलग नहीं, बल्कि उसका स्वाभाविक और गतिशील अंग है। दीपावली इसका श्रेष्ठ उदाहरण है — जो अध्यात्म, संस्कृति, मानवता, नारी, प्रकृति, सत्य और सह-अस्तित्व के स्वरों को एक साथ झंकृत करती है। भारतीयता का प्रथम स्वर अध्यात्म का है — वह आंतरिक प्रकाश जो बाहरी जगमगाहट से कहीं अधिक स्थायी और सार्थक है। जब हम दीप प्रज्वलित करते हैं, तो वस्तुतः अपने भीतर के अंधकार को दूर कर आत्मप्रकाश की ओर अग्रसर होने का संकल्प लेते हैं। भगवान राम की अयोध्या वापसी उसी दिव्य यात्रा का प्रतीक है — जहाँ अंधकार पर ज्ञान, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म का आलोक विजयी होता है। बृहदारण्यक उपनिषद् की वाणी "तमसो मा ज्योतिर्गमय" आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक जीवन के तनाव, अपेक्षाएँ और आत्मकेंद्रितता हमें भीतर लौटने की आवश्यकता दिखाते हैं। आज Gen Z जब "माइंडफुलनेस" और "सेल्फ-अवेयरनेस" की बात करती है, तो दीपावली सिखाती है कि सच्चा प्रकाश किसी स्क्रीन पर नहीं, बल्कि हमारे भीतर की सजगता, संयम और चेतना में है। भारतीयता का दूसरा स्वर संस्कृति का है — जो विविधता में एकता का उज्ज्वल संदेश देता है। दीपावली इस भावना को मूर्त करती है, जब पूरा भारत एक ही आलोक में दिखता है — उत्तर में राम की विजय, दक्षिण में कृष्ण का नरकासुर-वध, पूर्व में माँ काली की आराधना और पश्चिम में नए वर्ष का स्वागत। रूप अलग हैं, पर भाव एक — अंधकार से प्रकाश की यात्रा। यही विविधता भारतीयता की पहचान है, जैसा ऋग्वेद कहता है — "एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति," सत्य एक, रूप अनेक; यही स्वर "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना को भी सजीव करता है। यही वह क्षण है जब भारतीयता का स्वर आधुनिकता से संवाद करता है — जहाँ सनातन परंपरा आधुनिकता को विरोध नहीं, बल्कि पूरक दृष्टि से देखती है। सोशल मीडिया पर Gen Z की "#SustainableDiwali" और "#Local for Vocal" जैसी पहलकदमियाँ दीपोत्सव को आत्मनिर्भर ही नहीं बना रहीं, बल्कि मिट्टी के दीयों को फिर से लोकप्रिय बनाकर संस्कृति और प्रकृति से जुड़ने वाली नई भारतीयता की आवाज़ बन रही हैं। यही आधुनिक भारतीयता का सार है — जहाँ परंपरा प्रकाश देती है और आधुनिकता दिशा। भारतीयता का अगला स्वर मानवता और सह-अस्तित्व का है — जो सिखाता है कि जीवन का अर्थ केवल अपने सुख में नहीं, बल्कि साझा आनंद में है। अयोध्या का दीपोत्सव इसी का प्रतीक है — जब पूरा नगर अपने नायक के साथ जुड़कर धर्म और नैतिक व्यवस्था की पुनर्स्थापना का उत्सव मनाता है, और लोग स्वयं को एकजुट और सुरक्षित महसूस करते हैं। अतः दीपावली सामूहिक आनंद (Community Celebration) और सामाजिक एकता का अनुष्ठान (Social Cohesion Ritual) है — जो संदेश देता है कि प्रकाश तभी सार्थक है जब वह दूसरों तक पहुँचे। आज की युवा पीढ़ी — विशेषकर Gen Z — जब "सामाजिक प्रभाव (Social Impact)", "मानसिक स्वास्थ्य" और "सामुदायिक निर्माण (Community Building)" की बात करती है, तो वे अनजाने में उसी भारतीय परंपरा को आधुनिक संदर्भ में जी रही होती हैं। जब युवा झुग्गियों में दीप जलाते हैं, वह क्षण सह-अस्तित्व और करुणा के जीवंत प्रतीक बन जाता है। भारतीयता का चौथा स्वर नारीशक्ति है — सृजन, संतुलन और संवेदना का प्रतीक, जिसकी दीपावली में माँ लक्ष्मी के रूप में आराधना होती है; पर आज की लक्ष्मी केवल धन की नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक और नेतृत्व की देवी हैं। जब माताएँ श्रम और सौंदर्य से घर सजाती हैं, तो यह इंगित करता है कि भक्ति और सौंदर्य विरोधी नहीं, बल्कि एक ही साधना के दो आयाम हैं। आज की युवा नारी उसी ज्योति का आधुनिक स्वरूप है — जो परंपरा में आत्मविश्वास और आधुनिकता में मर्यादा का प्रकाश लाती है। "छोटी दीपावली" भी उसी स्मृति की लौ है जब कृष्ण ने नरकासुर से सोलह हज़ार स्त्रियों को मुक्त किया। यह प्रसंग स्मरण कराता है कि नारी सम्मान और स्वतंत्रता भारतीय चेतना का मूल है । यह अन्याय के विरुद्ध सामाजिक प्रतिरोध (Social Resistance) को उद्बोधित करता है — बताते हुए कि धर्म मात्र पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक साहस का सजीव प्रकाश है। भारतीयता का अगला स्वर प्रकृति-सामंजस्य का है। मिट्टी के दीपक, फूलों की मालाएँ और गोबर की सजावट सिखाती हैं कि जीवन का सौंदर्य प्रकृति के संतुलन में है। मिट्टी के दीये और बर्तन जीवन की क्षणभंगुरता के प्रतीक हैं और याद दिलाते हैं कि रूप, धन और सत्ता अंततः मिट्टी में लौट जाते हैं। दीपावली के अगले दिन मनाया जाने वाला अन्नकूट पर्व भारतीय कृषि-संस्कृति का उज्ज्वल प्रतीक है। इस दिन भगवान कृष्ण ने इंद्र की पूजा त्यागकर गोवर्धन पर्वत और गौवंश की आराधना का संदेश दिया — कि सच्चा धर्म केवल देवताओं की उपासना में नहीं, बल्कि प्रकृति और अन्नदाता के प्रति आदर में निहित है। बलराम का 'हलधर' रूप कृषि और श्रम की पवित्रता का प्रतिनिधित्व करता है। विविध अन्नों से सजा "अन्नकूट" वेदवाक्य "अन्नं ब्रह्म" — अन्न ही ब्रह्म है — की सजीव व्याख्या है। आज जब Gen Z "हरित (Eco-friendly) Diwali" का संकल्प लेती है, तो वह प्राचीन कृषि-दर्शन को आधुनिक रूप देती है — यह दर्शाते हुए कि सच्चा विकास विवेक और पर्यावरणीय संतुलन में निहित है — यही आधुनिक भारतीयता का सार है, जहाँ प्रकाश का अर्थ सचेत जीवन (Conscious Living) है। दीपावली का अंतिम और सबसे प्रभावी स्वर 'सत्य, कर्तव्य और मर्यादा' का है — जो केवल उपदेश नहीं, जीवन का आचरण है। भगवान राम की विजय मर्यादा, सत्य और करुणा की पुनर्स्थापना थी, यह सिखाते हुए कि सच्ची शक्ति शस्त्र में नहीं, आत्मसंयम और चरित्र में है — "सत्यं वद, धर्मं चर।" इसी संदर्भ में माता लक्ष्मी की कथा बताती है कि समृद्धि संघर्ष (मंथन) से उत्पन्न होती है, न कि संयोग से। लक्ष्मी पूजन स्मरण कराता है कि अर्थव्यवस्था भौतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक प्रक्रिया है। एक धर्मनिष्ठ अर्थव्यवस्था (Ethical Economy) में धन साधन है, साध्य नहीं; वह तभी पवित्र है जब मानवता की सेवा में हो। आर्थिक दृष्टि से भी दीपावली व्यापार का नया वर्ष और आर्थिक नवचेतना (Economic Renewal) का प्रतीक है। इस समय समाज में विनिमय (Exchange) और पुनर्वितरण (Redistribution) की प्रक्रिया सक्रिय होती है। उपहार, मिठाई और वस्त्रों का आदान-प्रदान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पारस्परिकता (Reciprocity) का प्रतीक है जो सामाजिक संबंधों को सुदृढ़ करता है। अतः सामाजिक दृष्टि से दीपावली सांस्कृतिक एकात्मता (Cultural Integration) और सामूहिक पुनर्जागरण का उत्सव है, जबकि आध्यात्मिक दृष्टि से यह अंधकार से प्रकाश, स्वयं से विश्व और क्षण से अनंत की ओर अग्रसर एक शाश्वत यात्रा है — जहाँ प्रत्येक दीप कहता है, "मैं जलता हूँ ताकि कोई अंधेरे में न रहे" यही भारतीयता का प्रखर स्वर है — जो जीवन को समग्र सृष्टि के कल्याण हेतु जीने की प्रेरणा देता है। उपनिषदों का मंगल मंत्र इसी भावना को सार रूप में व्यक्त करता है —

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्॥"

स्वावलंबी विकास की ओर

गिरीश्वर मिश्र

इस साल दीपावली का पर्व देश के लिए इस अर्थ में विशेष है कि वह हमें स्वयं की पहचान के लिए आमंत्रित कर रहा है। इसका तकाजा है कि हम विभिन्न प्रकार के भ्रमों के आवरण से मुक्त हो कर प्रकाश का वरण करें। राह में आते तिमिर को दूर करने के लिए प्रकाश का यह पर्व हमें स्वयं को जगा कर ज्योति का वाहक बनने के लिए प्रेरित करता है। अपनी शक्ति को पहचानना ही वह आधार है जो आज की वैश्विक अस्थिरता और उथल-पुथल वाले अनिश्चय के वातावरण में हमें सहारा दे सकेगा। आज के जटिल होते परिवेश में इसे सुखद आश्चर्य ही कहेंगे कि तमाम विघ्न-बाधाओं को पार करते हुए भारत धन-धान्य की दृष्टि से अनेक देशों की तुलना में और स्वयं अपने पिछली उपलब्धियों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से संतोषजनक स्थिति में है। भारत की आर्थिक उन्नति निरंतर प्रगति दर्ज कर रही है। विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर कर भारत ने विश्व को गंभीर संदेश दिए हैं। घरेलू मांग में बढ़त और आर्थिक नीतियों में महत्वपूर्ण सुधार जैसे कदम भारत को वैश्विक पूँजी प्रवाह का एक प्रमुख केंद्र बना रहे हैं। मंहगाई में कमी, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और ग्राहकों के उत्साह के साथ बाजार के मजबूत होने के लक्षण दिख रहे हैं। भविष्य में जीडीपी में वृद्धि की पूरी संभावना है। आर्थिक दुनिया में अन्य देशों के साथ आयात-निर्यात के लिए चुनौतियों का दौर चल रहा है। इससे निपटने के लिए विश्व में नए बाज़ार तलाशे जा रहे हैं और कई देशों के साथ नए समीकरण भी बन रहे हैं। अनुमान है कि हमारी अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 7.3 ट्रिलियन जीडीपी के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँच जायेगी। इसके साथ ही जनसंख्या में युवा लोगों की बड़े अनुपात में उपस्थिति विकास के अवसर के संकेत उपलब्ध करा रही है। परिवर्तन की बयार लोगों की क्रय-शक्ति में वृद्धि, आधारभूत संरचना में सुधार और खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी में झलक रही है। कुल मिला कर समग्रता में यह दृश्य संतोषजनक स्थिति बयान करता है और गौरव बोध भी कराता है। यह उपलब्धि इसलिए भी उल्लेखनीय है कि यह सब देश के अंदर बाहर की कई चुनौतियों के बीच हो रहा है। देश की सीमाओं के निकट सामरिक हलचलों पर भी काफ़ी हद तक काबू पाया गया है। सैन्य बल की सामर्थ्य आतंकी शत्रु को परास्त करने और उसके ठिकानों को ध्वस्त करने में सफल रही है। ज्ञान–विज्ञान और खेलकूद के क्षेत्र में भी उपलब्धि रेखांकित हुई है। यह दृश्य आम भारतीय को उत्साहित और प्रोत्साहित करता है। तेज़ी से बदल रहे वैश्विक परिदृश्य में हम ऐसा बहुत कुछ होते देख रहे हैं जो विश्व की मानवता के हित में नहीं है। वह हमें सावधान तथा सचेत रहने के लिए प्रेरित करता है। इस वैश्विक बदलाव का एक प्रमुख संकेत यह है कि दूसरे देश से उधार लेने या खरीदने की जगह देश को स्वयं अपने ही संसाधनों को विकसित करना होगा। स्वदेशी को अपनाना और आत्मनिर्भर होना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। दूसरे शब्दों में हमें 'स्वदेशी' सोच और व्यवस्था को पहचान कर उसे अमल में लाना होगा। ऐसा करना कदापि सरल नहीं है क्योंकि हम लगभग दो सदियों के औपनिवेशिक राज के दौर में परायी दृष्टि के जाल में ऐसे फंसे कि उससे उबरना कठिन होता गया। आधुनिकता के छद्म आवरण में उसे ही सही और उपयुक्त मान कर उसी का अवलंबन करते रहे। अंग्रेज़ों ने जबरी बदलाव लाद दिया था और भयानक रूप से शोषण किया पर दुर्योग से उसी की भाषा, उसी की शिक्षा, उसी के भाव, उसी की वेश-भूषा उसी की संस्थागत सोच और उन्हीं जैसी मूल्य व्यवस्था तक को हमने अंगीकार कर लिया। उन्हीं जैसा बनने की लालसा के चलते यह परम्परा देश के स्वतंत्र होने के बाद भी जारी रही और हम मन और बुद्धि से स्वाधीन न हो सके। ज्ञान-विज्ञान के बौद्धिक क्षेत्र में पश्चिम का वर्चस्व अकुंठित भाव से सतत प्रवह्मान रहा। देशज प्रयास हुए ही नहीं, ऐसा तो नहीं कहा जा सकता परंतु वे कमजोर थे। बहुत सारे देशी सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक प्रयोगों की अवधारणा को स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर, ज्योतिबा फुले, संत विनोबा भावे, जयप्रकाश नारायण, राममनोहर लोहिया, दीनदयाल उपाध्याय और नानाजी देशमुख प्रभृति अनेक महानुभावों ने आगे बढ़ाई और कई तरह के उपक्रम भी शुरू हुए। अनेक छोटी-बड़ी संस्थाओं और व्यक्तियों ने देश के विभिन्न भागों में भी अपने अपने ढंग से सार्थक बदलाव लाने की पहल शुरू की पर व्यापक योजना और जमीनी वास्तविकता निश्चत रूप से मुख्यतः पश्चिम की अनुगामिनी ही बनी रही। व्यवहार के स्तर पर शिक्षा-दीक्षा, नियम-क़ानून और तौर-तरीक़े सब में हमने पश्चिम को ही अपने लिए मानक बना लिया और उसका अभ्यास भी करते रहे। पाश्चात्य विचारों की तीव्र आंधी भारतीय प्रयास प्रयास प्रायः उखड़ते गए और जो शेष बचा वह निष्प्रभ रहा। जो भी देशज था उसको अविश्वसनीय और अनुपयोगी मानते हुए हम उससे मुक्त होते रहे। उसके पुरावशेष टूटी-फूटी लड़खड़ाती संस्थाओं के रूप में आज भी जीवित हैं। दूसरी ओर पश्चिमी आयात को बिना विचार किए और उसकी उपयुक्तता को जांचे बगैर अपनाते और ओढ़ते रहे। हम अपने को उसके अनुकूल बनाते रहे। इस प्रक्रिया में हम अपने मूल स्वभाव में बदलते चले गए और जो अपना था उसके प्रति संदेह और अविश्वास का भाव विकसित करते रहे। पश्चिम द्वारा स्वीकृति या अस्वीकृति को ही अपने निर्णय और कार्य का आधार बनाते रहे। औपनिवेशिकता के व्यापक प्रभाव में प्रामाणिकता का केंद्र भारत से खिसक कर पश्चिम में चला गया। अज्ञान और भ्रम से आगे बढ़ कर पश्चिम पर हमारी अतिरिक्त निर्भरता कई तरह के प्रलोभनों का सबब बनती गई। इस तरह हमारी अपनी समझ पराए ढांचे में पराए निहित उद्देश्यों की पूर्ति का साधन बन गई। इन सबके बीच हम अबोध बने रहे। अपने को निरुपाय और विकल्पहीन समझ कर अनुकरणप्रधान चिंतन और जीवन की शैली का अपनाते हुए उसका पालन करने लगे। वह पश्चिम में मानकीकृत होने से एक बना बनाया ढाँचा जरूर था जिसे अपनाना कम श्रमसाध्य और सरल था। इसके फलस्वरूप बड़े प्रश्नों से न टकराते हुए तात्कालिक सतही उत्सुकता को प्रश्रय मिलता रहा। यह सब एक दुविधाग्रस्त राष्ट्रीय मानसिकता का जनक बन गया जिसके तहत आत्म-बोध, सामाजिक अस्मिता, लोक-कल्याण और परिवेश की रक्षा जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न उलझते चले गए। आज जब आत्मनिर्भर देश की संकल्पना की जा रही है तो हमें अपने भीतर झांकने की जरूरत है और आत्मावलोकन द्वारा स्वयं को पहचानने की जरूरत है। आत्मान्वेषण और आत्मानुभव की यह अनिवार्य अपेक्षा होती है कि समय-समय अपनी जांच-परख करते रहा जाय। हमें भारत की विविधता भरी ज्ञान और संस्कृति की अपनी विरासत को स्वीकार कर अनुभव का हिस्सा बनाना होगा। हमारी परम्परा उन्मुक्त और उदार भाव से जीवन जीने का अवसर देती है। यहाँ के उत्सव मूल रूप से प्रकृति केंद्रित और समग्र जीवन को समर्थ बनाने की दृष्टि से आयोजित किए जाते हैं। सभ्यता के आरम्भ से ही यहाँ के मनुष्य को सृष्टि की लय की बड़ी चिंता रही है।

मेषः धनतेरस का दिन आपके लिए कई मायनों में राहत और सकारात्मकता लेकर आया है। जिन कार्यों में रुकावटें थीं, वे अब धीरे-धीरे पटरी पर लौटते दिखेंगे। कोई पारिवारिक आयोजन या यात्रा की योजना बन सकती है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। बीते दिनों से चली आ रही किसी उलझन का समाधान सहज रूप से निकल सकता है। कार्यस्थल पर अपनी बात स्पष्ट रखने का अवसर मिलेगा।

वृषभः आज का दिन कुछ नए अनुभवों से भरपूर रहेगा। कोई पुराना संपर्क दोबारा जीवन में दस्तक दे सकता है और भविष्य में वह आपके लिए फायदेमंद भी साबित हो सकता है। धनतेरस के मौके पर घर-परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और साथ ही कोई नई योजना पर विचार हो सकता है। आज आप निर्णय लेने में अधिक स्पष्ट नजर आएंगे।

मिथुनः आपका आत्मविश्वास आज आपको आगे बढ़ाने में मदद करेगा। धनतेरस के दिन की शुरुआत उत्साहपूर्ण हो सकती है, और दिन भर आपके आसपास सकारात्मक माहौल बना रहेगा। निजी जीवन में थोड़ी स्पष्टता लाना जरूरी हो सकता है। कोई रुका हुआ कार्य पुनः गति पकड़ सकता है, बशर्ते आप उसमें पूरी जिम्मेदारी से जुड़ें।

कर्कः आज का दिन आपको भीतर से सशक्त कर सकता है। घर का वातावरण हल्का और प्रसन्न रहेगा, जिससे आप मानसिक रूप से काफी सहज महसूस करेंगे। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात संभव है, जो बीते लम्हों की यादें ताजा कर सकती है। साथ ही, आज आपकी ऊर्जा का स्तर भी अच्छा बना रहेगा, जिसका लाभ आप अपने कामकाज में उठा सकते हैं।

सिंहः धनतेरस पर आपके आसपास का माहौल बदलता नजर आ सकता है। कुछ बातें जो लंबे समय से आपके भीतर चल रही थीं, आज खुलकर सामने आ सकती हैं। बातचीत से कई भ्रम दूर होंगे। जीवन के कुछ अहम पहलुओं को लेकर नई सोच विकसित होगी। परिवार के साथ किसी सामूहिक गतिविधि में भाग ले सकते हैं, जिससे रिश्तों में आत्मीयता बढ़ेगी।

कन्याः आज के दिन आप अपने कार्यों को लेकर बेहद सजग रहेंगे। कुछ योजनाओं को अमल में लाने का मौका मिलेगा, जो भविष्य में लाभदायक सिद्ध हो सकता है। धनतेरस के दिन आप अपने आसपास के लोगों की जरूरतों को भी समझने का प्रयास करेंगे। आपका व्यवस्थित दृष्टिकोण आज आपके पक्ष में रहेगा, खासकर व्यावसायिक मामलों में।

तुलाः आपके लिए आज का दिन आत्मचिंतन और संतुलन बनाए रखने का है। किसी पुराने विवाद या गलतफहमी को सुलझाने का यह सही समय हो सकता है। धनतेरस का पर्व आपके जीवन में कुछ नयी उम्मीदें जगा सकता है। अगर आप किसी नई शुरुआत का मन बना रहे हैं, तो उसे लेकर गंभीरता से सोचें। आज का दिन सहज रहकर बिताएं।

वृश्चिकः आज आपके अंदर एक अलग प्रकार की स्पष्टता देखने को मिलेगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारी से व्यवहार करेंगे और आसपास के लोग भी आपके निर्णयों का सम्मान करेंगे। धनतेरस पर परिवार या घर से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। किसी प्रियजन से हुई पुरानी बातचीत को दोबारा याद करना आपको भावनात्मक रूप से छू सकता है।

धनुः धनतेरस आपके लिए न केवल बाहरी, बल्कि भीतरी रूप से भी कुछ नया लेकर आया है। आज आप खुद को अधिक स्थिर और संतुलित महसूस करेंगे। किसी सामाजिक या पारिवारिक चर्चा का हिस्सा बन सकते हैं, जहां आपकी बात को महत्व दिया जाएगा। निजी संबंधों में भी आज कुछ नए आयाम खुल सकते हैं, जिससे आत्मीयता बढ़ेगी।

मकरः आज का दिन नई समझ और ठोस फैसलों का हो सकता है। धनतेरस के अवसर पर आप किसी ऐसी योजना पर विचार कर सकते हैं, जो लंबे समय से रुकी हुई थी। आसपास के लोग आपकी बातों को गंभीरता से लेंगे, और आपको सहयोग भी मिल सकता है। कोई ऐसा व्यक्ति सामने आ सकता है जो आगे चलकर मददगार सिद्ध हो।

कुंभः आपका दिन आज गतिशीलता से भरा हो सकता है। धनतेरस के शुभ दिन पर कई कार्यों को एक साथ संभालने की स्थिति बन सकती है। इस सबके बीच आपको अपने विचारों को स्पष्ट रखना होगा, ताकि भ्रम की स्थिति न बने।

मीनः आज आप कुछ अलग तरह की शांति महसूस कर सकते हैं। किसी करीबी के साथ एक खुली बातचीत आपके मन को हल्का करेगी। धनतेरस पर घर का वातावरण हल्का और खुशहाल रहेगा। कोई पुरानी योजना आज दोबारा सामने आ सकती है, जिसे आप अब बेहतर नजरिए से देख पाएंगे। आज का दिन आपके भीतर की समझ को और निखार सकता है।

आत्म परिष्कार का पर्व है दीपावली

सियाराम पांडेय 'शांत'

देशभर में दीप पर्व मनाया जा रहा है। भारत के सभी प्रान्तों में यह पर्व आनंद और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। दुनिया भर में बसे और काम करने गए भारतवंशी अपने-अपने तरीके से दीपावली मना रहे हैं। अयोध्या का तो आनंदातिरेक ही अलग है। यहां त्रेतायुग की तरह दीपावली मनाई जा रही है। नौ वर्षों से अयोध्या में भव्य और दिव्य दीपोत्सव मनाया जा रहा है। साल-दर- साल वहां दीप प्रज्ज्वलन के पुराने रिकॉर्ड टूट रहे हैं। नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। देश-दुनिया के लोग इस विहंगम दृश्य को देखने के लिए आते हैं और सरकार के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी करते है। जो नहीं आ पाते, वे अपने कंप्यूटर, लैपटॉप, टेलीविजन और मोबाइल पर इस अद्भुत दृश्य के साक्षी बनते हैं। किसी पर्व को लोकरंजन, नवोन्मेष और अर्थोत्पादन का हेतु कैसे बनाया जा सकता है, दीपावली समूह के त्योहार इसकी विशद व्याख्या करते हैं। दीपावली पर्व के प्रथम चरण धनतेरस पर अरबों-खरबों रुपए का कारोबार हर साल होता है। इस साल भी हुआ है। छोटी दिवाली पर अयोध्या में तकरीबन 29 लाख दीपकों का जलना कुंभकारों की अर्थव्यवस्था को संजीवनी दे गया है। लक्ष्मी, गणेश और कुबेर की मूर्तियां बनाने वाले मूर्तिकार भी प्रमुखता से लाभान्वित हुए हैं। मतलब देश के धन का देश में ही पर्याप्त विनिमय हो रहा है। यह एक तरह से स्वदेशी का शंखनाद ही है। वैसे तो यह परम्परा आदिकाल से चली आ रही है, लेकिन तब इसमें आज की तरह का नवोन्मेष भले न रहा हो लेकिन उसमें सहजता और वैज्ञानिकता दोनों थी। तब दीपक जलाने की व्यवस्था राजा को नहीं करनी पड़ती थी। वह केवल इस अवसर पर 7 या 9 दिन के मेलों का आयोजन करता था,जिसमें प्रजा जन न केवल भाग लेते थे, अपितु स्वस्थ मनोरंजन भी प्राप्त करते थे। पहलवानों, कलाकारों पर दांव लगाकर एक तरह से उन्हें प्रोत्साहित भी करते थे। दीपावली उनके उत्साह और उमंग का हेतु तो थी लेकिन आज की तरह का दिखावा बिल्कुल नहीं थी। उसमें सर्वजन की खुशी निहित थी। जिस तरह दीपक सबके लिए जलता है, उसी तरह व्यक्ति को अपने साथ ही सबकी जिंदगी में रोशनी बिखेरने की कोशिश करनी चाहिए। भारत में दिवाली मनाने का कोई एक ठोस कारण नहीं है। अलग-अलग ग्रंथों में अलग-अलग कारण बताए गए हैं। अधिकांश में दीपमालिका पर्व के तत्वदर्शन की लगभग सुस्पष्ट व्याख्या है। बस उसे समझने और उस पर मनन करने की जरूरत है। रावण वध के उपरांत भगवान राम की अयोध्या वापसी के उपरांत उनके स्वागत में घर-घर, गली, चौराहों और रास्तों पर दीप जलाने का जो सिलसिला तब शुरू हुआ, वह आज तक चला आ रहा है। मौजूदा दीपावली और उसके उल्लास को कमोबेश इसी रूप में देखा जा सकता है। भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी को भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध कर उसके चंगुल से 16 हजार राजकुमारियों का उद्धार किया था। कृतज्ञता ज्ञापन स्वरूप दीपावली के दिन आरती-वंदन कर उनका नागरिक अभिनंदन किया गया था। तब से यह परंपरा चली आ रही है। महाभारत में इस बात का उल्लेख मिलता है कि 12 वर्ष के वनवास और एक साल के अज्ञातवास के बाद अपने राज्य में लौटे पांडवों का दीपमालिका सजाकर अभिनंदन किया गया था। स्कन्द पुराण,भविष्य पुराण और पद्म पुराण में दीपावली को लेकर अलग-अलग मान्यताएं हैं। अलग-अलग आख्यान है लेकिन उन सबमें दीपदान और लक्ष्मी पूजन सर्वांगसम है। महाराज पृथु ने पृथ्वी का दोहन कर अन्न-धन प्राप्ति के साधनों का नवीनीकरण किया था और इस बहाने देश की दरिद्रता दूर की थी। इस सफलता के उपलक्ष्य में देश में दीपावली का प्रादुर्भाव हुआ था। सनत्कुमार संहिता में दीपावली पर्व को वामन अवतार और राजा बलि के कब्जे से देवी लक्ष्मी और देवताओं को छुड़ाने और धरती को श्रीसम्पन्न बनाने से जोड़ा गया है। दैत्यराज बलि द्वारा भारी कराधान आदि से लूटे गए धन को संसार में विभक्त कर दिया था। इस लिहाज से देखा जाए तो यह उस दौर की सबसे बड़ी आर्थिक क्रांति थी। जैन धर्म के ग्रंथ कल्पसूत्र में लिखा है कि आज ही के दिन भगवान महावीर ने अपना शरीर छोड़ा था। तब देश-देशांतर से आए उनके शिष्यों ने निश्चय किया था कि ज्ञान सूर्य तो अस्त हो गया, अब दीपों का प्रकाश कर हमें यह दिन मनाना चाहिए। बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध ज्ञान प्राप्ति के उपरांत कार्तिक अमावस्या को ही कपिलवस्तु लौटे थे। महर्षि कात्यायन ने अपने ग्रंथ काम सूत्र में तत्कालीन माहिमान्य उत्सव दीपावली को यक्षरात्रि के रूप में निरूपित किया है। सातवी सदी में हर्षवर्धन ने अपने नाटक नागानंद में दीपप्रतिपदुत्सव कहा है। उस दौर के ग्रंथ नील मत पुराण में कार्तिक अमायां दीप वर्णनम नामक एक अध्याय मिलता है। पुराणों में दीपावली को महानिशा कहा गया है। तांत्रिकों,मांत्रिकों और यांत्रिकों के लिए यह महापर्व है। यह महालक्ष्मी के आठो स्वरूपों के पूजन का पर्व तो है ही, साधना, उपासना, जागरण और जाप्य मंत्र की सिद्धि का भी पर्व है। दीपक आत्मा का प्रतीक है। सातवी सदी में हर्षवर्धन ने अपने नाटक नागानंद में दीपप्रतिपदुत्सव कहा है। उस दौर के ग्रंथ नील मत पुराण में कार्तिक अमायां दीप वर्णनम नामक एक अध्याय मिलता है। पुराणों में दीपावली को महानिशा कहा गया है। तांत्रिकों,मांत्रिकों और यांत्रिकों के लिए यह महापर्व है। यह महालक्ष्मी के आठों स्वरूपों के पूजन का पर्व तो है ही, साधना, उपासना, जागरण और जाप्य मंत्र की सिद्धि का भी पर्व है। दीपक आत्मा का प्रतीक है। भगवान बुद्ध ने भी यही निर्देश दिया है कि अप्प दीपो भव। अपना दीपक खुद बनो। दीपक प्रकाश का प्रतीक है। ज्ञान का प्रतीक है। साधना और पुरुषार्थ का प्रतीक है। महाराज मनु के दौर से ही कार्तिक भर अपने घरों के साथ ही, नदियों, तालाबों, कुंओं, धर्मशालाओं, बागों व सार्वजनिक स्थलों पर रात में दीपक जलाने की परंपरा रही है। इसकी वजह यह है कि वर्षा ऋतु में विषैले जीव जंतु निकल आते हैं। दिन के उजाले में तो उन्हें देखा जा सकता है, लेकिन रात्रि के अंधेरे में वे जीवन पर भारी न पड़ें, इसलिए समशीतोष्ण माह कार्तिक में दीपदान की व्यवस्था पूर्वजों ने की थी। कार्तिक के बाद जब शीत ऋतु आती है तो विषैले जीव-जंतु स्वतः अपने विवरों में चले जाते हैं। दीपपुंज के प्रकाश और उष्णता से वर्षाजन्य रोग पैदा करने वाले कीटाणुओं का विनाश होता है। तेल का सुगंधियुक्त धुंआ वातावरण में फैलकर नस्य प्रणाली द्वारा मस्तिष्क तक पहुंचता और शारीरिक रोगों से निजात दिलाता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

वनडे कप्तानी को लेकर सूर्यकुमार यादव का बड़ा बयान

एजेंसी, नई दिल्ली

कहा 'अच्छा खेला होता तो मौका मिल सकता था'

सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में खुलासा किया कि अगर उन्होंने वनडे फॉर्मेट में बेहतर प्रदर्शन किया होता, तो शायद उन्हें 50 ओवर की भारतीय टीम की कमान भी सौंपी जा सकती थी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पिछले महीने पाकिस्तान को हराकर टी20 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। उनकी नेतृत्व क्षमता की खूब सराहना हुई और टीम ने उनके अंडर अब तक 23 टी20 मैच जीते हैं। हालांकि व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिहाज से पिछले कुछ समय से उनका बल्ला खामोश है और वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए हैं। वनडे क्रिकेट की बात करें तो सूर्यकुमार को इस फॉर्मेट में भी कई मौके दिए गए, लेकिन वह अपनी छाप नहीं छोड़ सके। उन्होंने 37 वनडे मैचों में 25.76 के औसत से सिर्फ 773 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं। लगातार खराब प्रदर्शन के चलते उन्हें वनडे टीम से बाहर कर दिया गया था। पॉडकास्ट के दौरान सूर्यकुमार ने कहा, "अब मैं सोचता हूं कि अगर मैंने वनडे फॉर्मेट में अच्छा किया होता, जैसे अभी टी20 कप्तानी चल रही है, तो वनडे कप्तानी भी मिल सकती थी। पहले मैं इस बारे में नहीं सोचता था, लेकिन अब मन में यह ख्याल आता है। फॉर्मेट थोड़ा लंबा है, पर मैं अभी भी ट्राई करूंगा, क्योंकि सपना तो है ही।" उन्होंने मुस्कुराते हुए जोड़ा, "घर पर मैं और मेरी वाइफ अक्सर यही बात करते हैं कि अगर मेरा वनडे फॉर्म अच्छा गया होता, तो शायद आज हालात अलग होते।" सूर्यकुमार ने यह भी कहा कि जब रोहित शर्मा वनडे कप्तानी से रिटायर होंगे, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम की कमान किसे सौंपी जाती है। "अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आप हमेशा दावेदार बने रहते हैं। अभी भी मौका खत्म नहीं हुआ है," उन्होंने कहा। गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद सूर्यकुमार यादव को टीम इंडिया की कमान दी गई थी। वहीं टेस्ट क्रिकेट से रोहित के हटने के बाद शुभमन गिल कप्तान बने हैं और अब उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वनडे टीम की कप्तानी भी सौंपी गई है।

पैट कमिंस की गैरहाजरी में स्मिथ संभालेंगे ऑस्ट्रेलिया की एशेज कप्तानी

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के नियमित टेस्ट कप्तान पैट कमिंस की चोट से उबरने की प्रक्रिया जारी है, और अगर वह एशेज के शुरुआती मैच तक फिट नहीं हो पाते हैं, तो स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने पुष्टि की कि कमिंस को जुलाई 2025 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ के दौरान पीठ में चोट लगी थी, जिसकी वजह से वह भारत के खिलाफ हुई व्हाइट-बॉल सीरीज़ से भी बाहर रहे। बेली ने कहा, "अगर पैट नहीं खेलते हैं तो स्मिथ कप्तान होंगे। यही हमारी सामान्य प्रक्रिया है। पैट भले ही न खेलें, लेकिन टीम के साथ रहेंगे और रिहैब पर काम करते हुए खिलाड़ियों से जुड़े रहेंगे। कप्तान और उप-कप्तान का तालमेल बना रहेगा।" स्मिथ की तैयारी पूरी हो चुकी है। हाल ही में न्यूयॉर्क से लौटे स्टीव स्मिथ ने तुरंत क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया। वह आगामी शेफ़ील्ड शील्ड के दो राउंड में भी खेलेंगे ताकि एशेज से पहले अपनी लय बनाए रख सकें। बेली ने कहा, "स्मिथ ने आते ही नेट्स में बल्लेबाजी शुरू कर दी। हमने हर खिलाड़ी की तैयारी उसके अनुसार की है और वह पूरी तरह से मैच के लिए तैयार होंगे।" पैट कमिंस और स्टीव स्मिथ की जोड़ी ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। अगर कमिंस मैदान पर नहीं उतर पाते, तो स्मिथ की कप्तानी टीम को अनुभवी नेतृत्व प्रदान करेगी। इसके अलावा, टीम को पिच और मौसम की अनिश्चितताओं का सामना करने के लिए भी तैयार रहना होगा, और स्मिथ के नेतृत्व में खिलाड़ी मानसिक रूप से अधिक सशक्त होंगे। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया का ध्यान न केवल कप्तानी के विकल्प पर होगा, बल्कि टीम की रणनीति, गेंदबाजी और बल्लेबाजी संतुलन को भी बनाए रखने पर रहेगा। स्मिथ की कप्तानी में टीम का अनुभव और संयम मैच के दौरान निर्णायक साबित हो सकता है।

विराट ने बताया ऑस्ट्रेलिया में छींटाकशी करने का राज

एजेंसी, पर्थ

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने आक्रामक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। विराट पर ये भी आरोप लगता रहा है कि वह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की छींटाकशी का जवाब उन्हीं के अंदाज में देते हैं। साल माह बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के दौरान ही विराट ने यह भी बताया कि आखिर क्यों उन्हें ऑस्ट्रेलिया में छींटाकशी करना इतना अधिक अच्छा लगाता है। पूर्व क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट से बातचीत के दौरान विराट ने कहा , 'मैं क्रिकेट देखते हुए बढ़ा हुआ हूं। मैं जल्दी उठा करता था जिससे ऑस्ट्रेलिया में हो रहे टेस्ट क्रिकेट को देख सकूं। मैं देखता था कि गेंद पिच पर उड़ रही है। विरोधी टीम और पिच को देखकर मैं बहुत खुश होता था। मैं सोचता था कि अगर ऐसे हालातों में मुझे खेलने का मौका मिलेगा तो मुझे काफी अच्छा लगेगा। करियर के शुरुआती साल मेरे लिए काफी अच्छे थे। दोनों ओर के महान खिलाड़ियों को देखना अच्छा लगता था। मैंने. सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को खेलते हुए देखा है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर का अंदाज जबरदसत है। कैसे वो अपने चेहरे के हाव भाव से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाकर खेल पर हावी हो जाते हैं। इसी ने मुझे भी छींटाकशी के लिए प्रेरित किया। इसलिए ऑस्ट्रेलिया में वह आक्रामक रुख बनाये रखते हैं। साथ ही कहा कि ऐसा करना काफी कठिन लगता था। टीवी पर लोगों को ऐसे करते देखना आसान है पर विपरीत माहौल में ऐसा करना कितना आसान नहीं होता। विराट अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। टी20 और टेस्ट का उन्होंने पहले ही अलविदा कह दिया था। इसी को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले सात माह वह परिवार के साथ रहे हैं। इससे वह तरोताजा अनुभव कर रहे हैं।

डकवर्थ को हराकर अल्माटी ओपन के फाइनल में पहुंचे रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव

एजेंसी, नई दिल्ली

रूसी खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर जेम्स डकवर्थ को 6-7 (8), 6-3, 6-2 से हराकर अल्माटी ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। डकवर्थ ने दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी को पहले सेट में कड़ी टक्कर दी, दो सेट पॉइंट बचाए और टाईब्रेक 10-8 से जीत लिया। इसके बाद मेदवेदेव ने वापसी की। दूसरे सेट में दो बार और तीसरे सेट की शुरुआत में फिर से सर्विस ब्रेक किया, क्योंकि बेसलाइन से उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन ने 33 साल के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को थका दिया। दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन को 7-5, 6-4 से हराकर आगे बढ़े। उन्होंने 20 साल के एलेक्स की ताकत को कम करने के लिए अपनी वैरायटी और कंट्रोल पर भरोसा किया।

लियोनेल मेसी की हैट्रिक से इंटर मियामी ने नैशविले को 5-2 से हराया

एजेंसी, नैशविले

दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) 2025 में शानदार प्रदर्शन करे हुए अपने करियर की दूसरी एमएलएस हैट-ट्रिक बनाई है। उनके इसी प्रदर्शन के दम पर इंटर मियामी ने नैशविले एससी पर 5-2 से जीत हासिल की। मेस्सी इस सीज़न में 29 गोल के साथ सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। पिछली बार उन्होंने 19 अक्टूबर को इंटर मियामी की न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन पर 6-2 की जीत में हैट्रिक बनाई थी। मेसी ने 35वें मिनट में अपना पहला गोल किया और इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई। नैशविले एससी ने 43वें मिनट में सैम सर्रिज के हेडर से जवाब दिया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। नैशविले एससी की कोशिश पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम के छठे मिनट में रंग लाई, जब जैकब शैफेलबर्ग ने है गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। 63वें मिनट में मेसी ने अपना दूसरा गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। चार मिनट बाद, बाल्टासर रोड्रिगेज ने गोल मारकर इंटर मियामी को 3-2 की बढ़त दिला दी। मेसी ने 81वें मिनट में बॉक्स के सेंटर से बाएं पैर से शॉट मारकर अपना तीसरा गोल किया और बढ़त को 4-2 कर दिया। टेलास्को सेगोविया ने स्टॉपेज के एक मिनट बाद इंटर मियामी का पांचवां गोल करके जीत पक्की कर दी। इंटर मियामी के डिफेंडर इयान फ्रे ने मेसी के प्रदर्शन पर कहा, "यह साफ है कि वह (मेसी) हमें हर रात फ़ायदा पहुंचाते हैं। उनके बारे में कहने के लिए शब्द कम हैं।"

व्यापार

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप में 2.16 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला, जिससे बीएसई सेंसेक्स 1,451.37 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसका असर देश की प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पर भी पड़ा। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों के कुल बाजार मूल्यांकन में 2,16,544.29 करोड़ रुपए की जोरदार बढ़त दर्ज की गई। सबसे अधिक लाभ रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल को हुआ। रिलायंस का बाजार मूल्यांकन 47,363.65 करोड़ रुपए बढ़कर 19,17,483.71 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, भारती एयरटेल ने 41,254.73 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 11,47,235.08 करोड़ रुपए का पूंजीकरण हासिल किया। एचडीएफसी बैंक के मूल्य में 33,185.59 करोड़ की

वृद्धि दर्ज की गई और इसका कुल बाजार पूंजीकरण 15,40,210.78 करोड़ पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक 40,123.88 करोड़ की बढ़त के साथ 10,26,491.35 करोड़ पर पहुंचा। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,903.45 करोड़ बढ़कर 6,65,899.19 करोड़ रुपए रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 17,774.65 करोड़ की वृद्धि हुई और भारतीय स्टेट बैंक ने 7,938.34 करोड़ रुपए जोड़े। वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस, टीसीएस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)को नुकसान उठाना पड़ा। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 30,306.35 करोड़ घटकर 5,98,773.87 करोड़ रह गया। टीसीएस में 23,807.01 करोड़ और एलआईसी में 7,684.87 करोडि रुपए की गिरावट दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस और अन्य कंपनियां हैं।

- **टीसीएस, इन्फोसिस और एलआईसी को नुकसान**

धनतेरस पर कार बाजार में बंपर सेल, मारुति और हुंडई की रिकॉर्ड डिलीवरी

जीएसटी 2.0 की राहत और त्योहारों के जोश से ऑटो सेक्टर में आई नई रफ्तार

नई दिल्ली। धनतेरस 2025 ने देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। इस शुभ अवसर पर देश की दो प्रमुख कार कंपनियों मारुति सुजुकी इंडिया और हुंडई मोटर इंडिया ने जबरदस्त बिक्री दर्ज की। ग्राहक उत्साह, बाजार में सकारात्मक माहौल और सरकार की ओर से जीएसटी 2.0 के तहत टैक्स राहत जैसे कारकों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। मारुति सुजुकी ने पहली बार धनतेरस पर 50,000 गाड़ियों की डिलीवरी का रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी के मार्केटिंग एंड सेल्स हेड के अनुसार, शनिवार शाम 6 बजे तक ही 38,500 गाड़ियां डिलीवर हो चुकी थीं और रविवार को 10,000 और डिलीवरी होने का अनुमान है। पिछले वर्ष दो दिन में 42,000 गाड़ियों की डिलीवरी हुई थी, जबकि इस बार यह आंकड़ा पार कर लिया गया। बनर्जी ने बताया कि पिछले एक महीने में कंपनी को 4.5 लाख बुकिंग्स मिलीं और 3.25 लाख गाड़ियां बिक चुकी हैं। छोटी गाड़ियों की मांग भी बनी रही, जिनमें से 94,000 यूनिट् की बिक्री हुई है। कंपनी के शोरूम पर भारी भीड़ देखी गई और पूजा के लिए पंडितों तक को बुलाया गया ताकि ग्राहक शुभ समय पर गाड़ी ले सकें। वहीं हुंडई मोटर इंडिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते

हुए 14,000 गाड़ियों की डिलीवरी की, जो पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी अधिक है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह डिलीवरी कई दिनों में फैली है, जिससे हर ग्राहक को बेहतर अनुभव मिल सके। धनतेरस की इस बंपर बिक्री से स्पष्ट है कि त्योहारी मौसम और सरकारी नीतियां मिलकर ऑटो इंडस्ट्री को नई रफ्तार दे रही हैं। आने वाले महीनों में यह गति और भी तेज हो सकती है।

धनतेरस 2025: भारत में रिकॉर्ड चांदी खरीद, वैश्विक बाजार में मची हलचल

नई दिल्ली। इस बार दिवाली और धनतेरस पर भारत में चांदी की अभूतपूर्व खरीदारी हुई, जिससे देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी एमएमटीसी-पीएएमपी पहली बार स्टॉक से खाली हो गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि उन्होंने अपने 27 साल के करियर में ऐसी खरीदारी पहले भी नहीं देखी। बाजार में भारी डिमांड के चलते सप्लाई बाधित हो गई है। भारत की इस जबरदस्त मांग का असर लंदन जैसे वैश्विक बाजारों पर भी पड़ा। वहां कई बैंकों ने ग्राहकों को चांदी की कीमत बताना तक बंद कर दिया, क्योंकि स्टॉक खत्म हो चुका था। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति पिछले 45 वर्षों में सबसे गंभीर चांदी संकटों में से एक मानी जा रही है। चांदी की मांग बढ़ने के पीछे कई कारक बताए जा रहे हैं- जैसे पहला, सोशल मीडिया पर इसे अगला

गोल्ड कहा जाने लगा, दूसरा सोने-चांदी का अनुपात 100:1 पहुंच गया, जिससे निवेशकों ने सस्ता विकल्प चुना, तीसरा सोलर इंडस्ट्री में चांदी की खपत तेजी से बढ़ रही है और चौथा डॉलर की कमजोरी ने भी निवेशकों को आकर्षित किया। लंदन वेयरहाउस में अब केवल 150 मिलियन औंस चांदी बची है, जबकि रोजाना का व्यापार करीब 250 मिलियन औंस है। अमेरिका और चीन में ईटीएफ और इंडस्ट्री की भारी खरीदारी से संकट और गहरा गया। हालांकि, न्यूयॉर्क के कॉमेक्स वेयरहाउस से 20 मिलियन औंस चांदी निकाले जाने के बाद कीमतों में 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। आने वाले हफ्तों में अमेरिका और चीन से नई सप्लाई की उम्मीद है, जिससे बाजार थोड़ा स्थिर हो सकता है।

इटली के मिलान शहर से दिल्ली की एयर इंडिया फ्लाइट रद्द

नई दिल्ली। इटली के मिलान शहर से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई138 को हाल ही में तकनीकी खराबी के चलते अचानक रद्द कर दिया गया। यह फ्लाइट दिवाली से ठीक पहले भारत लौटने वाले सैकड़ों भारतीय यात्रियों के लिए अहम थी। तकनीकी दिक्कत के कारण विमान उड़ान भरने में असमर्थ रहा, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। एयर इंडिया ने बताया कि यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया। एयर इंडिया ने रद्द उड़ान के यात्रियों के लिए अस्थायी होटल और भोजन की व्यवस्था की है। कई यात्रियों को हवाई अड्डे के बाहर भी ठहराया गया है ताकि उन्हें अधिक असुविधा न हो। एयरलाइन ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। एयर इंडिया ने 20 अक्टूबर से वैकल्पिक उड़ानों की बुकिंग शुरू कर दी है। सीटों की उपलब्धता के आधार पर सभी यात्रियों को जल्द से जल्द भारत भेजने का प्रयास किया जा रहा है। विशेष तौर पर जिन यात्रियों के वीज़ा समाप्त हो रहे हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है।

दिवाली 2025 पर मुहूर्त ट्रेडिंग 21 अक्टूबर को, जानें समय और जरूरी बातें

इस साल दिवाली की तिथि को लेकर बनी असमंजस की स्थिति

नई दिल्ली। दिवाली के मौके पर होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग का निवेशकों को हर साल इंतजार रहता है। यह ट्रेडिंग सत्र नई शुरुआत और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। लेकिन इस बार दिवाली की तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हिंदू पंचांग के अनुसार अमावस्या तिथि 20 अक्टूबर 2025 को है, इसलिए अधिकतर स्थानों पर दिवाली इसी दिन मनाई जाएगी] लेकिन बीएसई और एनएसई ने अपने कैलेंडर के अनुसार मुहूर्त ट्रेडिंग और लक्ष्मी पूजन की तिथि 21 अक्टूबर मंगलवार तय की है। शेयर बाजारों के अनुसार, मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र 21 अक्टूबर को दोपहर 1:45 बजे से 2:45 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस दिन इक्विटी, फ्यूचर्स-ऑप्शन, करेंसी और कमोडिटी सभी सेगमेंट में सीमित समय के लिए ट्रेडिंग होगी। 22 अक्टूबर को बलिप्रतिपदा के कारण बाजार बंद रहेगा और 23 अक्टूबर से सामान्य ट्रेडिंग फिर से शुरू होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि मुहूर्त ट्रेडिंग को सांकेतिक और शुभ शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए। इस दौरान भावनात्मक होकर बड़े निवेश या

जोखिम से बचना चाहिए। त्योहारी माहौल में बाजार में हल्की तेजी देखने को मिल सकती है, लेकिन निवेश हमेशा सोच-समझकर और दीर्घकालीन दृष्टिकोण से करना चाहिए। मुहूर्त ट्रेडिंग में भाग लेना परंपरा और भावना से जुड़ा होता है, इसलिए यह एक शुभ संकेत हो सकता है, बशर्ते इसे विवेकपूर्ण ढंग से लिया जाए।

श्रिया पिलगांवकर बनीं ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल की जूरी सदस्य

4 दिसंबर से मुंबई में होगा आगाज

पर्यावरण और सिनेमा के संगम का जश्न मनाने वाला ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल इस साल अपने छठे संस्करण के साथ लौट रहा है। 4 दिसंबर से शुरू हो रहे इस 11 दिवसीय फिल्म फेस्टिवल में दुनियाभर की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जो पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, संरक्षण और टिकाऊ जीवन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उजागर करेंगी। इस साल फेस्टिवल की शुरुआत मुंबई से होगी और 14 दिसंबर को इसका समापन होगा। खास बात यह है कि इस बार अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त फिल्म निर्देशक पान नलिन को फेस्टिवल की जूरी में शामिल किया गया है। जूरी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका को लेकर श्रिया पिलगांवकर ने खुशी जताई और आईएएनएस से बात करते हुए कहा, फेस्टिवल का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है। अक्सर कलाकार यह बात करते हैं कि सिनेमा में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, लेकिन फेस्टिवल इस ताकत का इस्तेमाल जागरूकता और संवेदना बढ़ाने के लिए करता है, जिससे समाज में वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है। श्रिया का मानना है कि पर्यावरण का मुद्दा हमारी रोजमर्रा की जिंदगी, स्वास्थ्य और भविष्य से सीधा जुड़ा हुआ विषय है। आईएएनएस से बात करते

हुए श्रिया ने आगे कहा, ''यह फेस्टिवल मुझे याद दिलाता है कि कहानियों में वह शक्ति होती है जो सोच को बदल सकती है, दिमाग खोल सकती है, और हमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का एहसास करा सकती है।'' उन्होंने बताया कि जूरी की प्रक्रिया के दौरान उन्होंने कई प्रभावशाली फिल्में देखीं, जो नए नजरिए से सोचने और सीखने का मौका देती हैं। बता दें कि इस फेस्टिवल में फीचर फिल्में, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म्स, और स्टूडेंट पर आधारित फिल्मों को दर्शकों के सामने लाया जाएगा। इन सभी फिल्मों का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि दर्शकों को प्रेरित करना, सोचने पर मजबूर करना और प्रकृति से जुड़ने का एहसास कराना है।

गोडे गोडे चा 2 का बिल्लो जी इस सीज़न का प्यार भरा एंथम है, जो आपको जरूर सुनना चाहिए

प्यार को मिला देसी ढोल का ट्विस्ट। गोडे गोडे चा 2 का अगला म्यूज़िकल जेम च्बिल्लो जीज् अब रिलीज़ हो चुका है, जिसे गाया है दमदार जोड़ी एमी विर्क और गुरजैज़ ने। कप्तान के मज़ेदार बोल और एन वी के जोश से भरपूर भांगड़ा बीट्स के साथ, यह गाना दिखाता है कि अपने प्यार को रिझाने के लिए स्टाइल, सच्चाई और जबरदस्त डांस के साथ लड़के किस हद तक जा सकते हैं। यह गाना शरारती भी है, रंगीन भी और सबसे खास बात, यह इस सीज़न का सबसे बड़ा लव एंथम बनने जा रहा है। गाने के बारे में बात करते हुए, एमी विर्क ने कहा, बिल्लो जी एक बहुत ही खूबसूरत वाइब है। यह खेल-उल्लास, रोमांटिक और फुल-ऑन भांगड़ा एनर्जी वाला ट्रैक है, जो इसे सुनने वाले को अपने पैरों पर थिरकने पर मजबूर कर देता है। यह प्यार का पंजाबी अंदाज़ में जश्न है और मुझे पूरा यकीन है कि यह हर लड़के का फेवरेट एंथम बन जाएगा। गाने पर अपने उत्साह व्यक्त करते हुए, विजय कुमार अरोड़ा ने कहा, बिल्लो जी के ज़रिए हमने उस चुलबुले व बड़े पैमाने के पंजाबी रोमांस को कैप्चर करने की कोशिश की है, जहाँ हर इमोशन ज़ोरदार है और हर जेस्चर ग्रैंड। यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि फिल्म का वह पल है, जहाँ एनर्जी अपने शिखर पर पहुँच जाती है और मैं यकीन के साथ कह सकता हूँ कि दर्शक भी उस जादू को महसूस करेंगे। गोडे गोडे चा 2 नेशनल अवॉर्ड विजेता ब्लॉकबस्टर ओरिजिनल की परंपरा को आगे बढ़ाता है, जिसमें जेंडर को-एग्ज़िस्टेंस पर एक नई और मनोरंजक नज़र डाली गई है। ज़ी म्यूज़िक द्वारा जारी इसका संगीत एल्बम इस सीज़न की सबसे रोमांचक म्यूज़िकल रिलीज़ में से एक बनता जा रहा है। अपनी झूमाने वाली रिदम और प्यार के रंगीन जश्न के साथ, च्बिल्लो जीज् आने वाले समय की झलक पेश करता है। गोडे गोडे चा 2, जिसे ज़ी स्टूडियोज़ और वीएच एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है, 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है। शक्तिशाली थीम्स और हाई-एनर्जी म्यूजिक के इस मेल से यह फिल्म दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ सोचने पर मजबूर करने वाला सिनेमा अनुभव भी प्रदान करेगी।

दुल्हनिया ढूंढ रहे संजय मिश्रा! अपकमिंग फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का पोस्टर जारी

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर संजय मिश्रा को सिर्फ संजीदा किरदारों के लिए ही नहीं बल्कि अपने कॉमेडी से भरे रोल्स से भी जाना जाता है। संजय मिश्रा ने कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्होंने फैंस को हंसाया और रुलाया दोनों हैं, लेकिन अब एक बार फिर अपने मस्तमौला अंदाज से वो फैंस को हंसाने के लिए आ रहे हैं, क्योंकि उनकी नई फिल्म का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। संजय मिश्रा की नई फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। पोस्टर शादी के लिए दूल्हे के इश्तिहार जैसा है, जिसमें दुर्लभ प्रसाद का बायोडेटा छपा है। दुर्लभ प्रसाद की लंबाई 5 फुट 8 इंच है, वो भी बिना जूतों के, रंग गेरुआ है, और वो खुद सामने से लड़की वालों को दहेज देंगे। दुर्लभ प्रसाद ने दुल्हन के लिए कुछ खूबियां लिखी हैं, जिसमें विधवा, तलाकशुदा, देसी और विदेशी हर तरह की महिला चलेगी, बस महिला होनी चाहिए। इस पोस्टर को शेयर कर संजय मिश्रा ने लिखा, टैग करें, शेयर करें और जीवनसंगिनी ढूंढने में दुर्लभ

प्रसाद का साथ दें। दुल्हन खोज अभियान से जुड़िए, कौन जाने आपका एक शेयर किसी की ज़िंदगी में प्यार भर दे। फैंस भी पोस्टर के कायल हो गए हैं और अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, करवाचौथ का उपवास भी रखोगे, ये नहीं लिखा है। एक अन्य यूजर ने लिखा, वाह, शानदार पोस्टर के साथ फिल्म का इंतजार रहेगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो संजय मिश्रा सन ऑफ सरदार 2, भक्षक, पोस्टमैन, हीर एक्सप्रेस, संत तुकाराम, और 5 सितंबर में देखे गए। अब एक्टर दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी लेकर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे बेटे की है, जो अपने पिता की शादी कराना चाहता है। दरअसल संजय जिस लड़की से शादी करना चाहते हैं, उनके घरवालों की डिमांड है कि भरा-पूरा परिवार होना चाहिए, खासकर घर में पहले से महिला मौजूद होनी चाहिए। ऐसे में एक्टर अपने ऑनस्क्रीन पिता की दूसरी शादी करवाने के लिए पूरा जोर लगा देते हैं। बता दें कि संजय मिश्रा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और अपने फैंस के साथ पुरानी फोटोज को शेयर करते रहते हैं। शूटिंग के सेट से भी एक्टर फोटोज शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने घासीराम कोतवाल नाटक को लेकर भी वीडियो शेयर की थी और अपने किरदार के बारे में बात की थी।

पहली बार में ही हेमा मालिनी की खूबसूरती पर मोहित हो गई थी सायरा बानो, जन्मदिन पर शेयर किया किस्सा

भारतीय सिनेमा की सफल और अपने जमाने में हीरो से भी ज्यादा फीस लेने वाली अदाकारा हेमा मालिनी आज अपना 77वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। सोशल मीडिया पर हर कोई उन्हें बधाई दे रहा है। लेजेंड्री अदाकारा सायरा बानो ने अब हेमा मालिनी के लिए दिल खोलकर लंबा-चौड़ा पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया है और उन्हें दिल से दुआ दी है। सायरा बानो ने सोशल मीडिया पर अपनी, हेमा मालिनी और दिलीप कुमार की पुरानी फोटो शेयर की है, और उन्होंने अपनी और हेमा मालिनी की पहली मुलाकात का किस्सा भी सुनाया है। उन्होंने बताया कि पहली बार जब उन्होंने हेमा मालिनी को देखा था, तो, वो उनकी खूबसूरती, चेहरे के शांत भाव और ग्रेस पर मोहित हो गई थीं। सायरा बानो ने कैप्शन में लिखा, हमारी पहली मुलाकात 1966 में आरके स्टूडियो में 'दीवाना' के सेट पर हुई थी। मुझे आज भी याद है कि मैं कैसे उनके शांत स्वभाव, सुंदरता और ग्रेस पर मोहित हो गई थी। जिसके बाद हम सुरम्य कृष्ण राज सागर बांध पर शूटिंग के दौरान फिर मिले, जहां उनकी मां और हमारी मां और हम दोनों शूटिंग के बाद बैठकर घंटों बातें करते थे और हंसी मजाक करते थे। सायरा

बानो ने बालों में गोबान लगाने वाला किस्सा भी सोशल मीडिया पर शेयर किया और बताया कि अम्मा हेमा के बालों में प्यारी खुशबू के लिए गोबान लगती थी और हम दोनों ही इस बात पर हंसते थे। एक्ट्रेस के पोस्ट से साफ है कि उनकी और हेमा मालिनी की दोस्ती काफी पुरानी और प्यारी है। बता दें कि सायरा बानो हाल ही के दिनों में हेमा से मिलने के लिए उनके घर पहुंची थी और पुरानी यादों को ताजा किया था। फैंस भी सायरा बानों के पोस्ट की तारीफ कर रहे हैं और हेमा मालिनी को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 60 और 70 के दशक की दो खूबसूरत गॉर्जियस ब्यूटी एक साथ। एक अन्य यूजर ने लिखा, बिल्कुल सही कहा आपने, आज भी हेमा जी उतनी ही खूबसूरत और ग्रेसफुल हैं। बता दें कि सायरा बानो अपने इंस्टाग्राम पर अपनी और दिलीप साहब की पुरानी यादें ताजा करती रहती हैं। इससे पहले उन्होंने अपनी और दिलीप कुमार की शादी की खूबसूरत फोटो डाली थी और अपने रिश्ते को लेकर कई राज खोले थे।

दूसरी ही फिल्म से लगा खलनायिका का टैग, असल जिंदगी में भी बिंदू देसाई को निगेटिव समझते थे लोग

बॉलीवुड सिनेमा के 70 के दशक में एक ऐसी वैम्प अदाकारा थी, जिनको लेकर जिज्ञासा सेट पर लोगों में लीड रोल करने वाली एक्ट्रेसेस से ज्यादा होती है। हम बात कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री की मोना डार्लिंग यानी बिंदू देसाई की। उन्होंने कभी पर्दे पर लड़ाकू सास बनकर बहूओं की नाक में दम किया तो कभी गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड बनकर भी सिनेमा के पर्दे पर राज किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिंदू को पहली फिल्म से नहीं बल्कि दूसरी फिल्म से सफलता हासिल हुई? बिंदू देसाई के पिता नानूभाई देसाई चाहते थे कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, लेकिन बिंदू को सिनेमा से लगाव था और वो बहुत खूबसूरत भी थी। लेकिन विटी फेस होने की वजह से उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस रोल ऑफर नहीं हुआ। अपने पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। अब परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए उन्होंने फिल्मों का रुख किया और उनके जीजा लक्ष्मीकांत

प्यारेलाल ने इसमें उनकी मदद की। बिंदू ने सबसे पहले 1962 में आई फिल्म च्अनपढ़ज् में साइड रोल किया, और वो उस वक्त 21 साल की थी। फिल्मी पर्दे पर वह फ्लॉप रहीं, लेकिन दूसरी फिल्म च्दो रास्तेज् उनके लिए लकी साबित हुई। इस फिल्म में बिंदू ने निगेटिव रोल प्ले किया। एक इंटरव्यू में बिंदू ने खुलासा किया था कि पहले वो तो निगेटिव रोल करने से कतरा रही थीं, लेकिन परिवार वालों ने कहा कि तुक्का मारने में क्या जाता है। फिल्म बनी और रिलीज हुई और फिर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने बिंदू की जिंदगी बदल दी। इसके बाद एक्ट्रेस ने च्इत्तफाकज्, च्आया सावन झूम केज्, च्डोलीज्, च्कटी पतंगज्, और च्जंजीरज् जैसी फिल्में की। बिंदू को लगातार फिल्मों में निगेटिव रोल मिलने लगे और उनकी इमेज पूरी तरह निगेटिव हो गई। असल जिंदगी में भी लोग उन्हें पर्दे की खलनायिका की तरह हीं देखते थे। एक्ट्रेस ने खुद इस बात का जिक्र करते हुए बताया था कि महिलाओं को लगता था कि मैं उनके पतियों को हड़प लूंगी। बिंदू ने बताया कि मेरे पति के एक करीबी दोस्त थे और कभी-कभी उनसे बातचीत हो जाती थी, लेकिन उनकी पत्नी को ऐसा लगता था कि मैं उनके पति पर डोरे डाल रही हूंज्जबकि असल में ऐसा कुछ था ही नहीं। आज बिंदू अपने परिवार और पति के साथ मुंबई में रहती हैं और इंटरव्यू और शो में दिखती रहती हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म च्महबूबाज् में देखा गया था, जो कि 2008 में आई थी।

बाबिल खान ने सोशल मीडिया पर बयां किया दिल का दर्द, तस्वीरों के साथ शेयर की भावनाएं

मशहूर अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने शनिवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर अपने दिल की बातें लोगों के सामने व्यक्त की। बाबिल खान ने अपने इस पोस्ट में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संघर्ष और जीवन की चुनौतियों का जिक्र किया। बाबिल ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनके साथ उन्होंने कैप्शन दिया, मैंने चुपके से कोई बात नहीं सुनी, यह कांच का घर पतली दीवारों वाला है। मैंने अपने दिल को बाजू पर रखा, अब मेरी टी-शर्ट खून से सनी है। मुझे ठीक

होने के लिए समय चाहिए था, मेरे डर ने मुझे गहरे घाव दिए। अनिद्रा और घबराहट ने मुझे अजीब बातें कबूल करवाईं। मैं मदद के लिए चिल्ला रहा था, अपनी भावनाओं को दबा नहीं पाया। मेरे स्वास्थ्य पर भारी बोझ पड़ा, मेरी आत्मा दबाव से थक गई थी। तुम अपनी प्रेमिका से लड़ रहे थे, जबकि मैं अपनी उदासी से जूझ रहा था... रुको... इस कैप्शन में बाबिल ने अपनी भावनात्मक और मानसिक स्थिति को खुलकर बयां किया। अभिनेता की ये पोस्ट प्रशंसकों के दिल को छू गई। कई यूजर्स उनके कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बाबिल के करियर पर नजर डालें, तो उन्होंने करियर की शुरुआत पिता इरफान खान की फिल्म च्करीब-करीब सिंगलज् से बतौर कैमरा असिस्टेंट की थी। इसके बाद उन्होंने 2022 में नेटफ्लिक्स की फिल्म च्कलाज् से अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जिसके बाद उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने खूब सराहा था।

Brief news

Uttar Pradesh: Record breaking for devotees visiting Ayodhya, this year's number surpasses 230 million

Ayodhya: The Uttar Pradesh government is celebrating the 9th Deepotsav on the banks of the Saryu River in Ayodhya this year. In addition to the Ram Temple, the annual Deepotsav has further enhanced Ayodhya's grandeur. The Deepotsav has increased Ayodhya's appeal both domestically and internationally. This is the reason why the number of tourists in Ayodhya is steadily increasing. Not only are there a significant number of Indian tourists, but foreigners have also shown increased interest in the city of Lord Shri Ram. According to data from the Tourism Department, since the Deepotsav began in Ayodhya in 2017, 17,832,717 Indian and 25,141 foreign tourists visited the city. Thus, in 2017, a total of 17,857,858 devotees visited Ramnagari. In the second year of Deepotsav in 2018, 1,95,34,824 Indians and 28,335 foreign nationals visited Ramnagari. Thus, a total of 1,95,63,159 people visited Ayodhya for darshan and pujan in the year 2018. Similarly, in the year 2019, a total of 2,04,91,724 devotees including 2,04,63,403 Indians and 38,321 foreigners visited Ayodhya.

In the year 2020, a decrease in the number of tourists was seen due to Corona. This year, a total of 61,96,148 tourists including 61,93,537 Indians and 2,611 foreigners visited Ayodhya. Whereas in the year 2021, 1,57,43,359 Indians and 31 foreign tourists visited Ayodhya for darshan and pujan. In 2021, a total of 1,57,43,390 pilgrims visited Ayodhya.

Similarly, in 2022, 2,39,09,014 Indian and 1465 foreign tourists visited Ayodhya. A total of 2,39,10,479 tourists visited Ayodhya. In 2023, 5,75,62,428 Indian and 8468 foreign tourists visited. This was followed by 16,43,93,474 Indian and 26048 foreign pilgrims in 2024. In 2025, from January to June, a total of 23,82,14,737 pilgrims, including 23,81,64,744 Indians and 49,993 foreigners, visited Ayodhya. The number of pilgrims visiting Ayodhya, not only from the country but also from abroad, is increasing. With the increasing number of pilgrims, employment in Ayodhya has also begun to grow rapidly. The Yogi Adityanath government is rapidly developing Ayodhya. Magnificent four-lane and six-lane roads are connecting Ayodhya. With the development of a world-class airport and railway station, along with numerous other amenities, Ayodhya is attracting tourists.

Three people fell from the Karmabhoomi Express near Nashik Road, two dead, one critical

Nashik, Maharashtra: A horrific accident occurred in the Nashik Road area on Saturday night when three young men fell from the Karmabhoomi Express, which was traveling from Mumbai's Lokmanya Tilak Terminus to Raxaul in Bihar. Two died on the spot, while one was seriously injured and is undergoing treatment at the district hospital. It has been reported that the Karmabhoomi Express departed from Nashik Road station on Saturday night. Shortly after, Station Manager Akash of Odha Railway Station contacted the Nashik Road Railway Administration and reported that three young men had fallen from the train in the Dhiklenagar area near the Hanuman Temple on Jail Road. Upon receiving the information, Sub-Inspector Mali and Constable Bhole, under the guidance of Senior Inspector Jitendra Sapkale of Nashik Road Police Station, along with a team, arrived at the scene. Two young men were found dead and one seriously injured between kilometer 190/1 and 190/3 on the Bhusaval-bound track. The injured youth was immediately admitted to the district hospital. The identities of the deceased and injured youths have not yet been established. Since trains to North India are heavily crowded due to the Diwali festival, police have speculated that the youths standing near the door lost their balance due to the crowd and fell from the moving train. An investigation is underway to determine whether the youths were traveling to their hometowns to celebrate the festival or to vote in the Bihar Assembly elections. According to information received, the deceased and injured who fell from the train did not have any identification documents. The injured have been admitted to a private hospital. It is initially believed that the three men, who worked in the Mumbai area, were traveling to their hometowns in Bihar for the Diwali festival. Railway services are experiencing a high passenger traffic due to Diwali and Chhath.

76 lakh rupees electricity scam at Shirdi Sai Baba Sansthan, FIR filed against 47 officials and employees

Shirdi: A major financial scam has come to light at the Shri Sai Baba Sansthan Trust in Shirdi, a major center of faith for millions of devotees across the country. An audit revealed the embezzlement of electrical equipment worth 76 lakh rupees in the institution's electrical department. In this case, Shirdi police have filed a case of fraud and embezzlement against 47 officials and employees of the institution. The FIR was filed on court orders. The investigation revealed that this issue had been discovered during an audit conducted a year ago, but the local administration had not taken any concrete action. Reacting to the administration's negligence, social activist Sanjay Babutai Kale filed a criminal writ petition in the Aurangabad High Court division bench seeking justice. On October 15, the court, recognizing the gravity of the matter, ordered the Shirdi police to immediately file an FIR against all 47 accused. Only after the court's strict stance did the Shirdi police complete the process of registering a case.

According to a report, officials and employees of the Electricity Department conspired. They failed to properly register the electrical equipment under their control. Many valuable items were deliberately entered into the "dead stock register" fraudulently, even though the equipment was actually missing from the facility. This resulted in financial losses worth crores of rupees to the facility.

Police investigations have revealed that 39 accused have paid their liabilities to the facility, but eight remain outstanding. Complainant Sanjay Kale obtained all the crucial documents related to this entire scam under the Right to Information (RTI) Act. His thorough investigation revealed the full extent of the mismanagement, fraudulent entries, and material misappropriation within the Electricity Department. When local complaints were met with no action, he ultimately had to approach the High Court. Following the court-ordered registration of an FIR, the Shirdi police have formed a team to review documents, audit reports, and accountability.

Bihar Elections: Congress Releases Second List of Candidates, Find Out Who Has Been Ticketed Where

Patna: The Congress party has released its second list of candidates for the Bihar Assembly elections. Five candidates have been announced in this list. According to an official letter issued from the office of AICC General Secretary (Organization) K.C. Venugopal, the Congress has nominated Shashwat Kedar Pandey from Narkatiaganj, Mohammad Kamrul Hoda from Kishanganj, Mohammad Irfan from Kasba, Jitendra Yadav from Purnia, and Mohan Srivastava from Gaya Town. The nomination process for these constituencies will continue until October 20, with the second phase of voting scheduled for November 11. Previously, the Congress had announced 48 candidates in its first list.

However, the party is facing heavy criticism within the Grand Alliance for delays in finalizing seat-sharing arrangements, which led to the first phase of nominations concluding without clarity on several constituencies. Earlier this week, Bihar Congress in-charge Krishna Allavaru was targeted by party workers at the Patna airport, further fueling unrest within the party. Angry workers accused him of ticket sales and widespread irregularities in candidate selection.

Dy Mayor's Efforts Succeed: Pay Outstanding Dues in One Go — No Interest to Be charged

Sagar Suraj

Speaking to BNM, Dr. Lal Babu Prasad said, "There are hundreds of residents in the municipal area who have been unable to pay their taxes for years due to accumulating interest and penalties. I have been continuously appealing to the government, and I'm glad it has accepted our request.

MOTIHARI — After five years of persistent effort, the continuous campaign of Motihari Municipal Corporation's Deputy Mayor, Dr. Lal Babu Prasad, has borne fruit. His tireless work has brought major relief to property tax defaulters in the municipal area. Now, taxpayers can clear all their outstanding dues in a single payment without any interest or penalty being applied. Dr. Prasad had been writing to the Chief Minister, Deputy Chief Minister, and Urban Development Minister for several years, requesting the waiver of interest and penalty charges to encourage people to pay their pending taxes. Acting on his initiative, the Urban Development and Housing Department of the Bihar government issued Notification No. 3056 on October 4, 2025. The notification accepts Dr. Prasad's suggestions and announces a complete waiver of interest and penalties on all outstanding property taxes for the financial year 2025–26 and prior years—provided taxpayers pay their dues in full by March 31, 2026. This decision will not only provide relief to defaulters but also generate substantial revenue for the government. Speaking to BNM, Dr. Lal Babu Prasad said, "There are hundreds of residents in the municipal area who have been unable to pay their taxes for years due to accumulating interest and penalties. I have been continuously appealing to the government, and I'm glad it has accepted our request. This is a beneficial step for both citizens and the municipal corporation. "Following the issuance of the government notification, there is a wave of satisfaction and happiness among residents. Citizens have welcomed the decision, saying it will help them settle their dues without any additional financial burden.

Indian Air Force trainers will now train British pilots

AGENCIES

New Delhi: It's a matter of time. Once upon a time, the British laid the foundation for the Royal Indian Air Force (RAF) in India. Now, experienced Indian Air Force (IAF) instructors will train fighter pilots from the same British Royal Air Force (RAF). According to reports, two top Indian Air Force fighter pilot instructors will soon be stationed at RAF Valley Air Base, located on the island of Anglesey off the northwest coast of Wales. Here, they will train British Air Force pilot cadets on the BAE Hawk T Mk 2 Advanced Jet Trainer aircraft. This is the same aircraft used by Britain's next-generation fighter pilots to prepare for frontline jets like the Typhoon and F-35.

A senior Royal Air Force official stated that this initiative is a significant step towards strengthening defense cooperation between the two countries. He added that the exact date for the deployment of the Indian instructors has not yet been finalized, but it will not be before October 2026. Their initial training and familiarization process in the UK will be completed in about a year or less. The salaries of these two Indian instructors will be paid by the Indian government, while the UK Ministry of Defence will arrange for their accommodation. These instructors can be stationed at RAF Valley for a maximum of three years.

According to the World Directory of Modern Military Aircraft, the Indian Air Force is the third most powerful air force in the world, after the US and Russia. Britain ranks eighth on this list. According to RAF sources, the program aims not only to foster training cooperation but also to strengthen India-UK strategic and political relations. An official said, "The participation of Indian instructors will develop better interoperability between the two countries' air forces, opening new avenues of trust and cooperation." This historic collaboration has not only been praised by defense experts but is also seen as a symbol of India's growing global military influence—where Indian pilots will now provide flying lessons to fighter pilots from Britain, a former colonial power.

For the first time since independence, Diwali celebrations were held in the spirit of duty

AGENCIES

New Delhi: Under the leadership of Chief Minister Mrs. Rekha Gupta, a new history was written in the national capital, Delhi. Like Lord Ram's city, Ayodhya, the festival of duty was celebrated for the first time in the national capital. Chief Minister Rekha Gupta said that today's festival of lights is not just a celebration of lights, but the harbinger of a new revolution. Delhi is about to write a new history, where a remarkable confluence of faith and modernity has emerged. The capital has demonstrated that Delhi is no longer just a capital of governance, but also the heartbeat of cultural consciousness. The drone display of Shri Ram's life story and the ocean of lamps symbolize that the capital, Delhi, is now moving forward with the eternal tradition and the country's cultural understanding. This is the first time since independence that Diwali is being celebrated collectively in the spirit of duty.

The Chief Minister was accompanied by her cabinet ministers and senior officials, and thousands of people from Delhi also participated in this event. Organized on the path of duty, this Deepotsav, featuring a grand drone show, cultural performances, and a Ramayana-themed light show, captivated the thousands of spectators present. Chief Minister Rekha Gupta was also moved and inspired by the devotion of Lord Ram. She said that after many years, the heart of Delhi has been illuminated with the glow of lamps in this way. This is not just a festival of lights, but a symbol of Delhi's new energy, new hope, and new direction. This Diwali has reached every section of Delhi.

Expressing gratitude to Prime Minister Narendra Modi on this occasion, the Chief Minister said that with the support of the Central Government, every section of Delhi is benefiting. She said that this Diwali, children have smiles on their faces, women have savings in their homes, youth have new opportunities, the elderly have assurance of health, and every citizen is proud of their city. The Chief Minister said that it is our resolve that, with the blessings of Lord Ram, Ramrajya should be established in Delhi, where every citizen has equal opportunity, security, and respect.

The Delhi Government is the government of the people, and we are the servants of the people. According to the Chief Minister's Office, Chief Minister Rekha Gupta also stated that the most special feature of this Deepotsav, organized in the spirit of duty, was the first drone show to showcase the life of Lord Shri Ram in the sky. This magnificent spectacle, equipped with thousands of drones, brought the sacred saga of the Ramayana to life through modern technology.

This visualization of the life ideals of the most virtuous person, Shri Ram, not only moved the devotees but also conveyed the message that Indian traditions can evolve in harmony with modernity over time. The Chief Minister also stated that Diwali is a special festival that symbolizes the victory of light over darkness, truth over falsehood, and righteousness over unrighteousness. In the Treta Yuga, when Lord Shri Ram returned to Ayodhya after 14 years of exile, the people of Ayodhya welcomed him by lighting lamps. Since then, this festival has become a symbol of light through lamps.

This festival is not only religious but also a symbol of social and cultural unity. This festival connects us at the family, society, and national level, and inspires us to dispel darkness and light the lamp of hope and harmony. He said that this event organized by the Delhi government is special. Until now, the grand celebration of Deepotsav was seen in Ayodhya, but for the first time, Delhi also brought this glorious tradition to life in its own backyard. The Chief Minister said that our government wants to ensure that Delhi not only remains the administrative capital but also reflects the soul of India culturally. This celebration of Diwali will give Delhi a new identity towards spiritual consciousness and cultural pride.

Delhi shrouded in a blanket of smog and smoke - choking even before Diwali, AQI crosses 400

AGENCIES

New Delhi: Neither have Diwali fireworks been properly burst nor has the bitter cold set in. Yet, Delhi-NCR is experiencing a suffocating feeling. The AQI has surpassed 400, and the entire city appears shrouded in a blanket of smog and smoke. In South Delhi, college students are venturing outside wearing masks. Pollution has become so severe that it stings people's eyes. Even Diwali shopping seems daunting. People are afraid to venture out. Hospitals are seeing a growing number of respiratory patients. Doctors say this pollution damages the lungs. Therefore, the elderly and children have been advised not to leave their homes.

On Sunday morning, a day before Diwali, Delhi-NCR was shrouded in a thick blanket of smog. Visibility on the roads has dropped to less than 50 meters. The Air Quality Index (AQI) has surpassed 400, and in Anand Vihar, it has surpassed 418. In essence, Delhi has become a gas chamber, where every breath seems to be poisoned.

According to the Central Pollution Control Board (CPCB), the Air Quality Index in Delhi is rapidly deteriorating. Tuesday's data clearly shows that the air in many areas has become toxic. Anand Vihar recorded an AQI of 435 on Sunday, which falls in the 'severe' category. In Wazirpur, it reached 365. Dwarka Sector 8 recorded 341, and Bawana reached 303. Furthermore, the AQI at ITO is close to 285. This pollution is being caused by stubble burning, vehicles, and dust. Therefore, it is believed that wearing masks is essential for Delhiites.

The Supreme Court, on the recommendation of the central and Delhi governments, has relaxed the complete ban on firecrackers in Delhi-NCR ahead of Diwali. Now, only green firecrackers are permitted for sale and use. This decision was made by the Supreme Court on October 15, 2025. The court has taken this as a trial, so that the festival can be celebrated and pollution can be controlled. Green firecrackers are certified by the Environmental Research Institute and the Petroleum Safety Organization. They contain a QR code. Their sale is limited from October 18th to October 20th. The timings for bursting firecrackers are set between 6 am and 7 pm and 8 pm and 10 pm.

Sukhbir Singh Badal warns against conspiracy to leave Sikhs leaderless

Chandigarh: Shiromani Akali Dal President Sardar Sukhbir Singh Badal today appealed to Sikhs worldwide, saying, "The deep-rooted conspiracy to gain control of Sikh religious institutions and leave the Khalsa Panth leaderless must be identified and defeated. Addressing a seminar organized by the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee (SGPC) on the 350th martyrdom anniversary of the ninth Guru, Sri Guru Tegh Bahadur Sahib Ji, in New Delhi this morning, Sardar Sukhbir Singh Badal said that the country urgently needs to follow in the footsteps of Guru Sahib and uphold the values of secularism, human rights, and civil liberties for which Guru Sahib made the unparalleled and supreme sacrifice. He said that Sri Guru Tegh Bahadur Sahib is the only example in the world of a person who sacrificed his life to protect a religion that was not his own. He said that the country needs to follow Guru Sahib as the greatest symbol of religious tolerance and communal harmony.

Emphasizing that Guru Sahib stood for secularism and the protection of human rights, Sardar Badal said that this belief has been the foundation of the Akali Dal governments as well, and that Sardar Parkash Singh Badal always upheld these values to ensure peace and communal harmony in the state for 15 years during the three Akali Dal governments.

Sardar Badal warned that the nefarious game being played to weaken the Khalsa Panth and Panthic institutions could prove extremely dangerous for peace and communal harmony. He said that the Khalsa Panth is today facing unprecedented ideological and political attacks. Powerful elements in the country are pursuing a centuries-old strategy of attempting to gain control of the three highest Sikh religious and political institutions—the Sri Akal Takht Sahib, the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee (SGPC), and the Akali Dal (SAD)—by luring opportunistic traitors within the community and sponsoring social and media campaigns to defame the Akali Dal and mislead the Sikh public. For the past 13 years, we have witnessed a growing conspiracy of misinformation to mislead the community in Punjab. The aim of these anti-Sikh conspirators and their henchmen is to deprive Sikhs of the right to serve their holy places through their democratically elected religious representatives. He stated that their real objective is to weaken and destroy the identity of the Khalsa Panth by taking over our sacred historical religious places and operating them according to the wishes of non-Sikhs.

Sardar Badal said that these anti-Sikh conspiracies have already succeeded in taking over our religious places, including our holy Takhts, outside Punjab. Now, their sights are set on our highest religious sites, Sri Harimandir Sahib and Sri Akal Takht Sahib. This is an attack on the unique ideology and message of the great Guru Sahibs. These conspirators know that they can only succeed in this conspiracy by replacing elected Sikh representatives and installing their own minions to take over Sikhism. They have already succeeded in Delhi, Haryana, and Maharashtra, where Sikh religious sites are now under the direct control of non-Sikh governments.

Jathedar of Sri Akal Takht Sahib, Mr. Kuldeep Singh Gadgaj, SGPC President, Mr. Harjinder Singh Dhami, Delhi Akali Dal President, Mr. Paramjit Singh Sarna, and Mr. Manjit Singh GK also expressed their views at the seminar.

Mahesh Kumar Sharma assumed charge as Director (Finance) of NHPC Limited

AGENCIES

Faridabad: Mahesh Kumar Sharma has assumed charge as Director (Finance) of NHPC Limited, a leading Navratna power company of the Government of India. Prior to his appointment as Director (Finance) of NHPC Limited, he served as the Finance Head of NHPC's Commercial Department and Chief Financial Officer of NHPC Renewable Energy Limited (a wholly-owned subsidiary of NHPC). He is currently a nominated director on the board of NHPC Renewable Energy Limited (NREL).

He is a Fellow Member of the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) with over 30 years of post-qualification work experience. He also holds a Diploma in Information Systems Auditing (DISA) from ICAI, in which he secured third rank at the all-India level. He was elected as an Executive Body Member of the Faridabad Branch of the Northern India Regional Council of the ICAI during the period 2004-07 and served as the President of the Branch during the year 2006-07. He was awarded the Best Chairman Award of Northern India by the Northern India Regional Council of the ICAI for the year 2006-07.

Mahesh Kumar Sharma began his career as an Accounts Officer at NHPC in July 2000 and, during his distinguished professional career spanning over 25 years at NHPC, has gained extensive expertise in the core areas of finance, corporate accounting, treasury, commercial, and contracts. His extensive experience not only covers the financial management of large-scale infrastructure projects, but also has a deep and practical understanding of the tariff and regulatory frameworks, which are crucial in the planning, development, and operation of hydropower projects. With his sense of responsibility, professional ethics, and dedication, he has steadily risen through the organizational ranks.

His journey with NHPC began at the Corporate Office, Faridabad, where he was part of the treasury management team and a key member of the Initial Public Offering (IPO) implementation team until the company was listed on the Indian stock exchanges. He served at the Regional Office, Banikhet, and then at the Dhauliganga Power Station, where he played a crucial role. He played an active role in the large-scale restoration of the Dhauliganga Power Station following the flash floods in Uttarakhand in 2013, successfully completing challenging tasks such as accounting for the restoration work, capitalizing new assets, concluding contracts, and settling insurance claims. Subsequently, he served as the Finance Head at the Pakaldul Hydroelectric Project, also holding additional charge of the Finance Department of the Kiru Hydroelectric Project and Kwar Hydroelectric Project, two projects under survey and investigation under Chenab Valley Power Projects Limited (a joint venture of NHPC and JKSPDC). At the Pakaldul Project, he handled major contracts (civil and E&M) for the construction of the dam and powerhouse, which were awarded during his tenure on the project. He played a key role in implementing appropriate control systems for accounting for assets, employees, and contractor payments in a non-ERP environment. Sharma played a key role in resolving contractual issues following the implementation of the GST Act in Jammu and Kashmir and assessing the impact of GST on previously awarded contracts. During his tenure, Sharma played a key role in guiding NHPC's financial strategies during various stages of project development, from the survey and investigation phases to hydropower projects under construction and subsequently to operational hydropower stations.

Chandrayaan brings good news! Discovers the relationship between the Sun and the Moon

AGENCIES

New Delhi: Chandrayaan also brought good news before Diwali. According to ISRO, the Chandrayaan-2 mission, using its scientific instruments, discovered for the first time the impact of coronal mass ejections (CMEs) on the Moon. This is considered a major discovery regarding the relationship between the Sun and the Moon. ISRO stated that this information will help understand the lunar exosphere, the Moon's very thin atmosphere, and the effects of space weather on its surface. Chandrayaan-2, launched from Sriharikota on July 22, 2019, aboard a GSLV-MkIII-M1 rocket, carried eight scientific instruments and successfully entered lunar orbit on August 20, 2019.

According to an ISRO release, one of the instruments on Chandrayaan-2, the Chandrayaan Atmospheric Compositional Explorer-2, recorded the impact of a coronal mass ejection from the Sun on the Moon's outer atmosphere. The primary objective of the CHACE-2 instrument is to study the composition, extent, and changes in the Moon's neutral outer atmosphere. Coronal mass ejections are powerful explosions in the solar system. During these explosions, the Sun releases helium and hydrogen ions. This is particularly difficult on the Moon due to the Moon's lack of an atmosphere and lack of a strong magnetic field. Chandrayaan's data revealed that after the coronal mass ejection struck the Moon, the pressure on the Moon's thin atmosphere increased a thousandfold. The Moon has a very thin atmosphere called the exosphere, which is composed of gas molecules. It is located close to the Moon's surface, hence the surface boundary, the exosphere.